राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष: 11 अंक: 184 पृष्ट : 08, नई दिल्ली, शनिवार , 15 जनवरी 2022 मूल्य: 1.50/-

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को दी मकर संक्रांति की बधाई, बोले-

रोजाना लगाएं वैक्सीन की 25 लाख डोज

गोरखपुर। चुनाव की तारीखों के एलान व आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को गोरखपुर पहुंचे। देर शाम गोरखनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की बधाई दी। उन्होंने कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पर्व मनाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में वैक्सीन की रोजाना 25 लाख डोज लगाने के लक्ष्य के साथ काम किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी शनिवार को गुरू गोरक्षनाथ को खिचड़ी चढ़ाकर रविवार की सुबह लखनऊ चले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने देर रात खिचड़ी मेले की तैयारियों की जानकारी ली, मेला परिसर का निरीक्षण भी किया। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए प्रयागराज के माघ मेले व मकर संक्रांति की तैयारियों की समीक्षा भी की है। मुख्यमंत्री ने माघ माह व मकर संक्रांति पर लगने वाले मेलों व

नदियों में सामूहिक स्नान से बचने की अपील की है। साथ ही कहा कि वैक्सीन की दोनों डोज लगवाने वाले ही किसी आयोजन में शामिल हों। वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट साथ में रखना है। आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट लेकर ही प्रयागराज के माघ मेले में जाना है। मेले में स्वच्छता व सैनिटाइजेशन का खास ध्यान रखा जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कोरोना का टीकाकरण बढ़ाने का निर्देश दिया है।

नहीं लगेगा जनता दरबार

आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जनता दरबार शुक्रवार को नहीं लगेगा। इससे पहले हिंदू सेवाश्रम में जनता दरबार लगता रहा है। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जो शिकायतें आती हैं, उन्हें संबंधित विभागों को भेजा जाता है। किसी मामले में फोन करके निस्तारण की बात नहीं कही जाती है। इससे पहले शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए कैंप कार्यालय के प्रभारी मोती सिंह संबंधित अधिकारी को फोन करते थे। पर अब ऐसा नहीं है। आचार संहिता ने हाथ बांध दिए हैं।

सीएम को रिसीव करने नहीं पहुंचा कोई अफसर

आचार संहिता का पालन करते हुए गुरुवार को देर शाम मुख्यमंत्री को गोरखपुर एयरपोर्ट पर रिसीव करने कोई प्रशासनिक अधिकारी नहीं पहुंचा। सीएम का काफिला सड़क मार्ग से गोरखनाथ मंदिर तक गया। सुरक्षा में लगे पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने मुख्यमंत्री का काफिला सुरक्षित गोरखनाथ मंदिर तक पहुंचाया। इससे पहले कमिश्नर, डीएम, एडीजी, एसएसपी गोरखपुर

विराट का सपना टूटा, दक्षिण अफ्रीका में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाया भारत, 1-2 से मिली हार

केपटाउन। तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 1-2 से हरा दिया है। पहला मैच हारने के बाद अफ्रीकी टीम ने बाकी दोनों मैच अपने नाम किए। सीरीज तीसरे और निर्णायक मैच में अफ्रीका ने भारत को सात विकेट से हराया।

इस मैच में भारत ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया और पहली पारी में 223 रन बनाए। भारत के लिए कप्तान विराट कोहली ने सबसे ज्यादा 79 और 43 रन की पारी खेली। वहीं दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा ने चार, मार्को जैन्सन ने तीन विकेट लिए। इसके जवाब में अफ्रीकी टीम 210 रन के स्कोर पर सिमट गई। अफ्रीका के लिए कीगन पीटरसन ने 72 रन बनाए। इसके अलावा केशव महाराज, वान डर डुसेन और बावुमा ने भी छुटपुट योगदान दिया।

भारत के जसप्रीत बुमराह ने पांच और उमेश, शमी ने दो-दो

विकेट लिए। बुमराह ने सातवीं बार टेस्ट में पांच विकेट लिए हैं।

दूसरी पारी में भारतीय टीम कुछ खास नहीं कर सकी और विकेटकीपर ऋषभ पंत के शतक के बावजूद पूरी टीम 198 रन पर सिमट गई। पंत ने 139 गेंद में तेज तर्रार 100 रन बनाए और नाबाद रहे। उनके अलावा कप्तान कोहली ने 143 गेंद में 29 रन बनाए। अफ्रीका के लिए मार्को जैन्सन ने चार विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा और लुंगी एनगिडी की तीन-तीन विकेट मिले। पहली पारी में भारत को 13 रन की बढ़त मिली थी। इस आधार पर दक्षिण अफ्रीका के सामने 212 रन का लक्ष्य था।

इस कारण से हादसे का शिकार हुआ था जनरल रावत का हेलिकॉप्टर, कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी में सामने आई वजह

नई दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल बिपिन रावत समेत अन्य कई लोगों की जान के लिए काल बने आठ दिसंबर को हुए हादसे की जांच में फ्लाइट डाटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वाइस रिकॉर्डर का विश्लेषण पूरा हो गया है। तीनों सेवाओं की कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी ने अपनी शुरूआती जांच में इन रिकॉर्डिंग का विश्लेषण किया। इसने हादसे के कारण को मैकेनिकल समस्या, नुकसान अथवा लापरवाही बताया है। भारतीय वायु सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

वायु सेना ने कहा कि यह हादसा मौसम में अचानक बदलाव की वजह से बादलों में जाने के परिणामस्वरूप हुआ था। बादलों में जाने की वजह से पायलट रास्ते को लेकर भ्रम का शिकार हो गया था। जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी ने कुछ सिफारिशों भी की हैं जिनकी फिलहाल समीक्षा की जा रही है।

दरअसल, बीते साल आठ दिसंबर को वायु सेना का एमआई-17 हेलिकॉप्टर तमिलनाडु के कुन्नूर में हादसे का शिकार हो गया था। इस दुर्घटना में सीडीएस जनरल बिपिन रावत, उनकी पत्नी मधूलिका रावत और 12 अन्य सैन्य अधिकारियों की भी मौत हो गई थी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ की भूमिका में जनरल बिपिन रावत देश की तीनों सेनाओं के एक साथ मिलकर काम करने की क्षमताओं पर काम कर रहे थे। सेना के तीनों अंगों के आधुनिकीकरण के क्षेत्र में भी उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

गोरखपुरः मुख्यमंत्री योगी ने दलित के घर खाया खाना, बोले- जिनके जींस में हो भ्रष्टाचार, वह नहीं लड़ सकता न्याय की लड़ाई

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि वंशवाद, और परिवारवाद की राजनीति करने वाले सामाजिक न्याय के समर्थक नहीं हो सकते। भ्रष्टाचार जिनके जीन्स का हिस्सा हो, वे सामाजिक

न्याय की लड़ाई नहीं लड़ सकते। सामाजिक समरसता और न्याय की लड़ाई भाजपा ने लड़ी है। सामाजिक न्याय यह है कि शासन की योजनाओं का लाभ हर गरीब को मिले, हर तबके के लोगों को मिले, उनके साथ सामाजिक-आर्थिक भेदभाव न हो। और, यही भाजपा का मूल मंत्र है।

सीएम योगी शुक्रवार को गोरखपुर के झुंगिया गेट के समीप दलित के घर सहभोज के बाद मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस दलित बस्ती में सुशासन और विकास का संदेश देने और अस्पृश्यता की भावना को पूरी तरह समाप्त करने के संकल्प को पूरा करने के लिए आए हैं। समतामूलक समाज की स्थापना, भ्रष्टाचार मुक्त, अपराध मुक्त व्यवस्था यानी सुशासन का हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले पांच साल में पीएम मोदी के मार्ग में लागू कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर गांव, हर गरीब, हर किसान, मजदूर, महिला, नौजवान तक बिना भेदभाव पहुंचाया है। आज उसी का परिणाम है कि प्रदेश में 45 लाख गरीबों को आवास मिले, 2.61 करोड़ गरीबों के घरों में शौचालय बने। किसी भी दलित बस्ती चले जाइए, यह सब दिखेगा। कोरोना महामारी के दौरान लोगों को मुफ्त डबल राशन दिया जा रहा है, यह डबल इंजन सरकार की तरफ से राहत का डबल डोज है। यह सब सामाजिक न्याय का ही हिस्सा है।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार को देखे तो मात्र 18 हजार आवास उन्होंने पांच साल में दिया था। गरीबों के मकान पर कब्जा, जमीनों पर कब्जा होता था।

गाजीपुर फूल मंडी में लावारिस बैग से मिला आईईडी विस्फोटक, एनएसजी ने किया निष्क्रिय

नई दिल्ली। दिल्ली के गाजीपुर फूल मंडी में शुक्रवार सुबह एक लावारिस बैग मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस, बम निरोधी दस्ता और दमकल की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची हैं। जांच करने पर पुलिस को बैग से आईईडी विस्फोटक मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए एनएसजी और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बताया कि गाजीपुर फ्लावर मार्केट के गेट के बाहर विस्फोटक लगाने से पहले रेकी की गई थी। पुलिस आरोपियों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज देख रही है।

एनएसजी ने निष्क्रिय किया विस्फोटक

एनएसजी ने आईईडी की

मात्रा को देखते हुए इसे निष्क्रिय करने के लिए एक गहरा गड्ढा खोदने की योजना बनाई। इसके बाद जेसीबी को मौके पर बुलाया गया और गहरा गड्ढा खुदवाकर बम निष्क्रिय किया गया।

दिल्ली पुलिस ने इस मामले में जानकारी दी है कि, स्पेशल सेल मामले की जांच कर रही है और एक्सप्लोसिल एक्ट के तहत मामला भी दर्ज कर लिया गया है। एनएसजी ने बम निष्क्रिय करने के बाद जानकारी दी है कि टीम ने गाजीपुर फूल मंडी से बरामद आईईडी को टीम ने निष्क्रिय कर दिया है। आईईडी के सैंपल जुटा लिए गए हैं और टीम इसे बनाने में इस्तेमाल किए गए केमिकल कंपोनेंट की जांच करेगी और रिपोर्ट सौंपेगी।

एनएसजी के अधिकारियों ने बताया कि बरामद आईईडी का वजन लगभग तीन किलो था। एनएसजी को इसके बारे में सुबह करीब 11.00 बजे दिल्ली पुलिस से जानकारी मिली। एनएसजी ने इस बम को करीब 1.30 बजे निष्क्रिय किया। इस मौके पर फॉरेंसिक टीम भी मौजूद रही.

पुलिस को सुबह 10.30 बजे मिली कॉल

जानकारी के अनुसार, पूर्वी दिल्ली के गाजीपुर फूल मंडी में एक लावारिस बैग मिलने से हड़कंप मच गया तो सबसे पहले सूचना पुलिस को दी गई।

बच्चों में तेजी से फैल रहा है कोरोना संक्रमण, 1.39 लाख आइसीयू बेड में से महज पांच फीसदी ही शिशुओं के लिए रिजर्व

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। हर दिन कोरोना का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। इस बार

कोरोना को लेकर खतरा इसलिए भी ज्यादा दिखाई पड़ रहा है क्योंकि इस बार बच्चे भी कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों का कहना है कि पिछली लहरों के उलट इस बार बड़ी तादाद में बच्चों में संक्रमण देखने को मिल रहा है। ज्यादातर मामलों में संक्रमण बहुत हल्का है लेकिन दो वर्ष से कम उम्र के बच्चों में बीमारी के गहरे लक्षण दिख रहे हैं। जो शिशुओं में सांस संबंधी समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं।

हालांकि मौजूदा समय में चिकित्सकों के सामने दो चिंताएं हैं। पहली बच्चों में मल्टी सिस्टम इन्फ्लेमेटरी सिंड्रोम (एमआईएससी) के बढ़ते मामले। यह समस्या कोविड संक्रमण होने के चार से छह सप्ताह के बाद नजर आ सकती है। दूसरी, चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि फिलहाल बच्चों के लिए आईसीयू और गहन चिकित्सा बुनियादी ढांचे पर कोई दबाव नहीं है, लेकिन मामलों में बढ़ोतरी होने पर व्यवस्था चरमरा सकती है। खासतौर पर बच्चों की देखभाल के लिए उच्च प्रशिक्षण प्राप्त कर्मचारियों की कमी में ऐसा हो सकता है।

सितंबर से ही बच्चों के बिस्तरों की हो रही तैयारी

कुछ महीने पहले केंद्र सरकार ने राज्यों को सलाह दी थी कि शिशु चिकित्सा के बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाया जाए। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने हाल ही में कहा था कि केंद्र सरकार द्वारा अगस्त में घोषित 23,123 करोड़ रुपये के आपात कोविड प्रतिक्रिया पैकेज-2 का करीब आधा हिस्सा पहले ही राज्यों को जारी किया जा चुका है। इस फंड की मदद से बच्चों के लिए करीब 9,574 आईसीयू बेड तैयार किए जाएंगे।

वहीं देश के बड़े प्राइवेट अस्पतालों में सितंबर से ही बच्चों के बेड की संख्या सुधारने का सिलसिला जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देशभर में कोविड के इलाज के लिए 139,300 आईसीयू बेड उपलब्ध हैं। इनमें से करीब पांच फीसदी यानी करीब 24,057 बिस्तर बच्चों के लिए हैं। देश के अस्पतालों में मौजूद कुल 18 लाख बेड में करीब चार फीसदी बच्चों के लिए हैं।

हर दिन 40 से 50 बच्चे हो रहे हैं संक्रमित

अमर उजाला से बातचीत में एम्स के वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ कहते हैं कि पिछली लहरों में जहां रोज 10 से कम संक्रमित बच्चे उनके पास आ रहे थे, वहीं इस बार एक दिन उनके पास 40 संक्रमित बच्चों के मामले आ रहे हैं। पहली और दूसरी लहर में कई बच्चे संक्रमित पाए गए लेकिन वे लक्षणरहित थे। तीसरी लहर में बच्चों में लक्षण अधिक नजर आ रहे हैं। बच्चों में कोविड के जितने मामले आ रहे हैं, हकीकत में उससे कहीं अधिक हैं। अभी बुखार, पेट की समस्या जैसे हल्के लक्षणों के साथ कई बच्चे आ रहे हैं। लक्षणों की तीव्रता दो-तीन दिन रहती है, लेकिन शायद ही किसी को दाखिल करने की आवश्यकता पड़ रही है।

उन्होंने कहा कि बच्चों में संक्रमण बढ़ रहा है और यह बात अमेरिका के आंकड़ों से भी सामने आती है। पिछली लहर में वहां प्रति एक लाख पर 2.5 बच्चे संक्रमित हो रहे थे, जबकि इस बार यह आंकड़ा चार हो गया है।

पहली और दूसरी लहर में कई बच्चे संक्रमित पाए गए लेकिन वे लक्षण रहित थे। तीसरी लहर में बच्चों में लक्षण अधिक नजर आ रहे हैं। पहली लहर के दौरान एक से 10 वर्ष की उम्र के करीब चार फीसदी बच्चों को अस्पताल में दाखिल करना पड़ा था, जबकि 11 से 20 की उम्र में 8-10 फीसदी लोगों को भर्ती कराना पड़ा था।

ब सत्तर साल के बुजुर्ग भी कर सकेंगे हज, जानिए कब से कर सकेंगे आवेदन

गोरखपुर। हज की तमन्ना रखने वाले साठ वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्ग इस बार मक्का शरीफ और मदीने में रसूल पाक का दर देख सकेंगे। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने इस हज के लिए 70 वर्ष तक के बुजुर्गों को आवेदन करने की स्वीकृति दी है। हालाकि, 2022 हज यात्रा के लिए अंतिम निर्णय सऊदी अरब सरकार करेगी।

कोरोना संक्रमण के मद्देनजर वर्ष 2021 में सऊदी अरब सरकार ने 60 वर्ष से अधिक आयु के महिला-पुरुषों के लिए हज यात्रा प्रतिबंधित कर दी थी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोरोना के केस नहीं थमने पर अंतिम समय में विदेशियों के लिए हज प्रतिबंधित कर दिया गया था। अब सऊदी अरब सरकार ने 2022 के लिए सभी देशों से आवेदन मांगे हैं। हज कमेटी ऑफ इंडिया ने वर्ष 2022 के आवेदन के लिए अंतिम तिथि 31 जनवरी 2022 निर्धारित की है। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार अभी तक मंडल से करीब दो सौ लोगों ने हज के लिए ऑनलाइन आवेदन किया है।

आठ यात्रियों तक के वाहनों के लिए छह एयरबैग अनिवार्य हैं, नितिन गडकरी का एलान

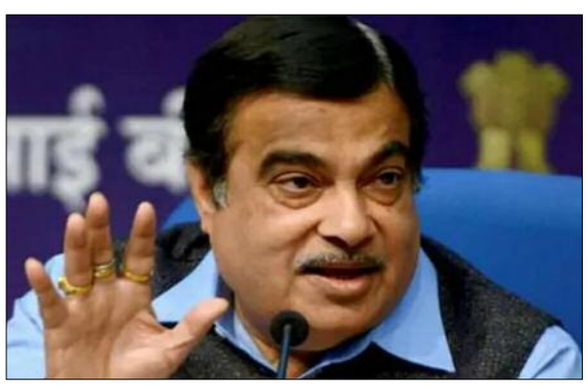

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में बिकने वाले वाहनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर अकसर चिंताएं जाहिर की जाती रही हैं। इन चिंताओं को दूर करने के लिए सरकार ने कई कदम उठाए हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को एक ट्वीट में कहा कि उन्होंने आठ लोगों को ले जाने वाले मोटर वाहनों के लिए न्यूनतम छह एयरबैग अनिवार्य करने के लिए जीएसआर अधिसूचना के मसौदे को मंजूरी दे दी है।

गडकरी ने कहा, "यह आखिरकार सभी सेगमेंट में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा, भले ही वाहन की कीमत/वैरिएंट कुछ भी हो।"

मंत्रालय ने पहले ही 1 जुलाई 2019 से ड्राइवर एयरबैग और इस साल 1 जनवरी से फ्रंट को-पैसेंजर एयरबैग के फिटमेंट को लागू करना अनिवार्य कर दिया है।

एम1 वाहन श्रेणी में, यह फैसला लिया गया है कि आगे और पीछे दोनों कंपार्टमेंट में बैठे लोगों के सामने और पीछे से होने वाले टक्करों के असर को कम करने के लिए चार अतिरिक्त एयरबैग अनिवार्य हैं।

इसमें दो साइड/साइड टोरसो एयरबैग और दो साइड कर्टेन/ट्यूब एयरबैग शामिल होंगे जो कार के सभी यात्रियों को कवर करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत में मोटर वाहनों को पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित बनाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम है।

सड़क दुर्घटनाओं में मौत

भारत उन शीर्ष देशों में से एक है जहां हर साल चिंताजनक रूप से बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटनाएं दर्ज होती हैं। इन सड़क हादसों में बड़ी संख्या में मौतें और गंभीर चोटें आती हैं। जबकि यातायात उल्लंघन को दुर्घटनाओं के पीछे प्रमुख कारणों के रूप में जिम्मेदार ठहराया जाता है।

पाक कोर्ट ने हाफिज सईद के घर के बाहर विस्फोट मामले में 4 लोगों को सुनाई मौत की सजा

पेशावर। पाकिस्तान में एक आतंकवाद रोधी अदालत ने मुंबई हमलों के सरगना एवं जमात उद दावा प्रमुख हाफिज सईद के घर के बाहर बम विस्फोट की घटना में भूमिका निभाने को लेकर बुधवार

को चार लोगों को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। अदालत के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पिछले साल जून में, सईद के घर के बाहर एक कार में भीषण बम विसफोट हुआ था जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। आतंकवाद रोधी अदालत के न्यायाधीश अरशद भुट्ट ने यहां कोट लखपत जेल में बंद कमरे में हुई सुनवाई के दौरान आयशा बीबी नामक एक महिला को पांच साल कैद की सजा भी सुनाई। अदालत के अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, 'लाहौर की आतंकवाद रोधी अदालत ने प्रतिबंधित संगठन तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान के ईद गुल, पीटर पॉल डेविड, सज्जाद शाह और जियाउल्ला को मौत की सजा सुनाई। एक अन्य आरोपी आयशा बीबी को पांच साल कैद की सजा सुनाई गई।'

भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते के लिए वार्ता शुरू करेगा ब्रिटेन

लंदन: ब्रिटेन सरकार ने भारत के साथ मुक्त व्यापार समझौते (स्वञ्ज) की बातचीत शुरू करने की घोषणा की और इसे ब्रिटिश व्यापारियों को भारतीय अर्थव्यवस्था की ''कतार में सबसे आगे' रखने का ''सुनहरा अवसर' बताया। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा कि स्वञ्ज भारत के साथ देश की ऐतिहासिक भागीदारी को अगले स्तर पर ले जाएगा और उन्होंने कहा कि स्कॉच व्हिस्की, वित्तीय सेवाओं और नवीनीकरण प्रौद्योगिकी जैसे कुछ अहम क्षेत्रों को इससे लाभ मिलेगा। पहले दौर की वार्ता अगले सप्ताह शुरू होने की संभावना है, जिसे सरकार ने कहा कि यह पक्षकारों के बीच औपचारिक वार्ता की ब्रिटेन की सबसे तेज शुरुआत है। जॉनसन ने कहा, ''भारत की उभरती अर्थव्यवस्था के साथ व्यापार समझौता ब्रिटिश कारोबारों, कामगारों और उपभोक्ताओं को बड़ा फायदा पहुंचाती है। चूंकि हम भारत के साथ अपनी ऐतिहासिक भागीदारी को अगले स्तर तक ले जाना चाहते है तो ब्रिटेन की स्वतंत्र व्यापार नीति नौकरियां पैदा कर रही है, वेतन बढ़ा रही है और देशभर में नवोन्मेष लेकर आ रही है। उन्होंने कहा, ''ब्रिटेन के पास विश्व स्तरीय कारोबार और दक्षता है जो स्कॉच व्हिस्की से लेकर वित्तीय सेवाओं और नवीनीकरण प्रौद्योगिकी तक है। हम विश्व स्तर पर अपना स्थान मजबूत करने और देश में नौकरियां पैदा करने के लिए हिंद-प्रशांत की उभरती अर्थव्यवस्थाओं में अवसरों का लाभ उठा रहे हैं।

जॉनसन का यह बयान तब आया है जब अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए विदेश मंत्री एनी मैरी ट्रेवेलियान 15वीं ब्रिटेन-भारत संयुक्त आर्थिक एवं व्यापार समिति के लिए नयी दिल्ली में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करने के लिए तैयार हैं। ट्रेवेलियान ने कहा, ''भारत के साथ समझौता ब्रिटिश कारोबारों को कतार में सबसे आगे रखने के लिए सुनहरा अवसर है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से वृद्धि कर रही है।

मिसाइल परीक्षण के बाद अमेरिका ने उत्तर कोरियाई अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाए

वाशिंगटन: उत्तर कोरिया के ताजा बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन ने एशियाई देश के पांच अधिकारियों पर बुधवार को प्रतिबंध लगाए तथा बाद में घोषणा की कि वह संयुक्त राष्ट्र से भी और नए प्रतिबंध लगाने की मांग करेगा। राजकोष विभाग ने कहा कि वह उत्तर कोरिया के मिसाइल कार्यक्रमों के लिए तकनीक तथा उपकरण हासिल करने में भूमिकाओं को लेकर पांच अधिकारियों पर जुर्माना लगा रहा है। इसके अलावा विदेश विभाग ने एक अन्य उत्तर कोरियाई व्यक्ति, रूसी व्यक्ति तथा रूसी कंपनी के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। उत्तर कोरिया के विध्वंसक गतिविधियों के हथियारों में व्यापक सहयोग देने के लिए इन पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है। राजकोष विभाग ने यह कदम तब उठाया है जब कुछ घंटों पहले उत्तर कोरिया ने कहा कि उसके नेता किम जोंग उन के समक्ष एक हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया।

श्रीलंका में आवश्यक वस्तुओं का संकट, भारत से मांगा 1 अरब डॉलर का कर्ज

कोलंबो। चीन के कर्ज के जाल में फंसकर दिवालिया होने की कगार पर पहुंच चुके श्रीलंका में लगभग सभी आवश्यक वस्तुओं का संकट पैदा हो गया है। इस संकट से उबरने के लिए अब यह द्वीपीय देश अपने पड़ोसी देशों से कर्ज की आस लगा रहा है। इसीके तहत श्रीलंका ने भारत से वस्तुओं के आयात के लिए एक अरब डॉलर का कर्ज मांगा है।

भारत से कर्ज के लिए बातचीत जारी

श्रीलंका के केंद्रीय बैंक के गवर्नर अजित निवार्ड कैब्राल ने कहा कि श्रीलंका सामान आयात करने के लिए भारत के साथ एक अरब डॉलर के ऋण को लेकर बातचीत कर रहा है। इससे श्रीलंका को अपने ऋण भुगतान में मदद मिलने के साथ दोनों देशों के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत से एक अरब डॉलर का ऋण खाद्य आयात तक ही सीमित रहेगा। बता दें आयात के भुगतान के लिए डॉलर की कमी के कारण श्रीलंका वर्तमान में

लगभग सभी आवश्यक वस्तुओं की कमी का सामना कर रहा है।

श्रीलंका कर रहा ऋण पनर्गठन का प्रयास

कैब्राल ने बुधवार को कहा कि श्रीलंका अपने ऋण भुगतान के पुनर्गठन के प्रयास के तहत चीन से एक और कर्ज के लिए बातचीत कर रहा है। हालांकि, कर्ज की रकम तय नहीं की गई है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते, राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने चीन के विदेश मंत्री वांग यी से कहा था कि अगर कर्ज का पुनर्गठन किया जा सकता है तो श्रीलंका को मदद मिलेगी।

देश पर गहराता जा रहा वित्तीय संकट-श्रीलंका गहराते वित्तीय और मानवीय संकट की खाई में डूबता जा रहा है। मुद्रास्फीति का रिकॉर्ड स्तर, खाद्य पदार्थों की कीमतों में उछाल और कोरोना महामारी से पैदा हुई परेशानियों के कारण देश के खजाने सूख रहे हैं। हालात यहां तक खराब हो चुके हैं कि इस देश के इस साल दिवालिया होने की आशंका है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश को अगले 12 महीनों में घरेलू और विदेशी ऋणों में अनुमानित 7.3 अरब डॉलर चुकाने की जरूरत है।

खाद्य मुद्रास्फीति 22.1 फीसदी पर-देश के केंद्रीय बैंक की ओर से की गई घोषणा के अनुसार, दिसंबर खाद्य मूल्य मुद्रास्फीति एक महीने पहले 17.5 प्रतिशत से बढ़कर 22.1 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा कोरोना संकट के कारण देश का टूरिज्म सेक्टर बुरी तरह प्रभावित हुआ। साथ ही सरकारी खर्च में बढ़ोतरी और टैक्स में कटौती ने हालात को और बदतर बना दिया। वहीं चीन का कर्ज चुकाते-चुकाते श्रीलंका की कमर टूट चुकी है। इन बड़ी परेशानियों ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे के सामने देश में आर्थिक मंदी के खतरे को और भी बढ़ा दिया है। दूसरे शब्दों में कहें तो कर्ज के जाल में फंसकर श्रीलंका दिवालिया होने की कगार पर पहुंच चुका है।

देश के 5 लाख लोग गरीबी में फंसे-विश्व बैंक के अनुमानों के मुताबिक महामारी के शुरू होने के बाद से देश में 500,000 लोग गरीबी के जाल में फंस गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, जो परिवार पहले संपन्न माने जाते थे, उनके लिए भी दो जून की रोटी जुटानी मुश्किल पड़ रही है। देश के अधिकांश परिवारों के लिए अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने लाले पड़े हैं। देश में आर्थिक आपातकाल की स्थिति के बीच यात्रा और पर्यटन क्षेत्र में ही करीब दो लाख से ज्यादा लोगों का रोजगार खत्म हो चुका है और यही हालात दूसरे क्षेत्रों में बने हुए हैं।

पाकिस्तान में अब गर्भनिरोध पर भी टैक्स: विपक्ष ने कहा -इमरान खान देश के लिए सदी की सबसे बड़ी त्रासदी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में कंगाली इस कदर बढ़ गई है कि यहां की इमरान खान सरकार को गर्भनिरोध पर भी टैक्स लगाना पड़ रहा है। दरअसल, बुधवार को नेशनल असेंबली में वित्त विधेयक 2021, के तहत इमरान खान सरकार ने 144 सामानों पर 17 फीसदी की दर से जीएसटी लगा दी। जिसके बाद विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर दिया और यह हंगामा उस समय और अधिक तेज हो गया जब पीएम इमरान खान ने गर्भनिरोध पर भी टैक्स लगाने की घोषणा कर दी। हंगामे के बीच पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी ने इमरान खान पर जमकर हमला बोला। बिलावल ने कहा कि पीएम इमरान खान पाकिस्तान के लिए सदी की सबसे बड़ी त्रासदी हैं। बिलावल ने कहा कि पूरक वित्त विधेयक 2021 के तहत

इमरान खान सरकार ने गर्भनिरोधक तक को नहीं छोड़ा।

इमरान खान जैसे खिलाड़ी से यह उम्मीद नहीं थी:बिलावल

बिलावल भुट्टो इतना पर ही नहीं रुके, उन्होंने आगे कहा कि गर्भनिरोधों पर भी टैक्स लगाए गए हैं, इमरान खान जैसे खिलाड़ी से इस तरह की उम्मीद नहीं थी के वे इस तरह के फैसले लेंगे। बिलावल ने कहा कि यह कोई हंसने का विषय नहीं है। आप पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश और भारत को देखिए जहां जनसंख्या विस्फोट हो रहा है। उन्होंने आगे कहा कि आप लोगों की आधारभूत जरूरतों, उनके खाने-पीने, रोजगार, उनकी सेहत और शिक्षा का बंदोबस्त नहीं कर सकते लेकिन आप गर्भनिरोधों पर टैक्स लगाने जा रहे हैं।

पाकिस्तान में आएगा महंगाई का तूफान: बिलावल

बिलावल ने आगे कहा कि वित्त विधेयक के तहत इमरान खान सरकार 144 सामानों पर 17 फीसदी की दर से जीएसटी लगाकर 360 अरब रुपये वसूलना चाहती है। सरकार के इस कदम से देश में महंगाई का तूफान आने वाला है। बिलावल ने कहा कि इमरान खान सरकार पेट्रोल, डीजल, मोटरबाइक, साइकिल, फोन, इंटरनेट, लैपटॉप और प्रीपेड कॉलिंग कार्ड पर टैक्स बढ़ाना चाहती है।

यूरोपीय देशों में छाया घना कोहरा, बर्फ से ढका तुर्की का शहर मेर्सिन

इंस्ताबुल। दुनिया के ज्यादातर हिस्से इस समय भीषण ठंड की चपेट में हैं। इनमें भूमध्यसागरीय तट पर तुर्की का शहर मेर्सिन भी शामिल है। बर्फबारी ने पूरे शहर में 4 फुट मोटी बर्फ की चादर बिखेर दी है। पारा माइनस 3 डिग्री तक है। शहर को ईसाई तीर्थ स्थल तातेंस के मुख्य प्रवेश द्वार के रूप में जाना जाता है। दिसंबर में उत्तरपूर्वी तुर्की में दशकों में सबसे भारी हिमपात हुआ। यूरोप में नीदरलैंड समेत 9 देशों में घना कोहरा छाया हुआ है। पीले कोहरे की चेतावनी जारी की गई है। यूके में श्रेणी 2 के अलर्ट में कहा गया है कि सोमवार तक पारा शून्य से 4 डिग्री नीचे रह सकता है। यूरोपीय देश फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्पेन और स्विट्जरलैंड में भारी बर्फबारी हो रही है। इस कारण पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी ठप्प हो गया है। फ्रांस में ज्यादातर सड़कें बंद कर दी गई हैं। बर्फ हटाने का काम जारी है। वहीं ऑस्ट्रिया में लोकल ट्रेनें तक प्रभावित हैं। यहां ट्रेनों पर 6-6 इंच तक बर्फ जम रही है। ट्रेनों चलाने से पहले बर्फ हटाई जाती है, तब ट्रेनें आगे बढ़ती हैं।

चीन की 'जीरो कोविड पॉलिसी' देखें कैसे मेटल बॉक्सों में कैद किए जा रहे संक्रमित, लाखों को शिविरों में भेजा

बीजिंग। चीन अपनी 'जीरो कोविड पॉलिसी' के तहत अपने ही नागरिकों से खिलवाड़ कर रहा है। सोशल मीडिया में आए कुछ वीडियो से पता चलता है कि लाखों लोगों को जहां क्वारंटाइन शिविरों में रखा गया है, वहीं कई संक्रमित मरीजों को मेटल बॉक्सों में कैद कर दिया गया है। अगले माह चीन विंटर ओलिंपिक की मेजबानी करने वाला है, इसे देखते हुए सख्ती और बढ़ा दी गई है।

सोशल मीडिया में चीन के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इनसे पता चलता है कि सख्त पाबंदियों के नाम पर वहां नागरिकों के साथ किस तरह का व्यवहार हो रहा है। यह किसी बुरे सपने से कम नहीं है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों व बुजुर्गों को भी मेटल के इन बॉक्सों में रखा जा रहा है। कोविड संक्रमितों होने पर इन बॉक्सों में दो सप्ताह के लिए कैद कर दिया जाता है। इनमें लकड़ी के पलंग व टॉयलेट बनाए गए हैं।

आधी रात को कहा जा रहा, घर छोड़ो और कैंप में चलो

खबरों में कहा गया है कि यदि किसी क्षेत्र में एक संक्रमित भी मिल जाए तो पूरे इलाके के लोगों को क्वारंटीन किया जा रहा है। उन्हें बसों में भर भरकर कैंपों में ले जाया जा रहा है। कहा गया है कि संक्रमित मिलने पर कई इलाकों के लोगों को आधी रात को कहा जाता है कि उन्हें

घर छोड़ना होगा और क्वारंटीन कैंप में चलना होगा। चीन में संक्रमितों व उनके संपर्क में आए लोगों का पता लगाने की भी सख्त नीति है। इसके तहत हर व्यक्ति को 'ट्रैक एंड ट्रेस' एप्स अपने मोबाइल में रखना जरूरी है। इसके जरिए किसी व्यक्ति के संक्रमित होने पर उसके संपर्क में आए सारे लोगों का पता लगाकर उन्हें क्वारंटीन कैंपों में भेज दिया जाता है। तियानजिन में ओमिक्रॉन से हड़कंप, लॉकडाउन की आशंका

उधर, चीन के तियानजिन शहर में बीते दिनों ओमिक्रॉन के केस मिलने के बाद हड़कंप मच गया है। लोगों को लॉकडाउन की आशंका है, इसलिए वे घबराहट में खाने पीने के सामान की खरीदारी कर रहे हैं।

दो करोड़ लोग घरों में कैद, खाने पीने के सामान के लाले

चीन में करीब दो करोड़ लोगों को घरों में कैद कर दिया गया है। यहां तक उन्हें खाने पीने का सामान लेने भी बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बीते दिनों एक गर्भवती महिलो का अस्पताल नहीं जाने दिया गया और इस कारण उसे गर्भपात हो गया। इसके बाद चीन में सख्त कोविड नियमों को लेकर बहस छिड़ गई है।

भारत चीन सैन्य वार्ता: सीमा विवाद पर 14 वें दौर की वार्ता सकारात्मक, पर नहीं निकला स्वीकार्य समाधान

बीजिंग। भारत व चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर हुई 14 वें दौर की सैन्य वार्ता में दोनों देशों के बीच बात तो सकारात्मक रही, लेकिन कोई हल नहीं निकला। अच्छी बात यही है कि दोनों पड़ोसी देश लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जारी गतिरोध को लेकर आगे भी चर्चा जारी रखेंगे। बुधवार को हुई वार्ता को लेकर गुरुवार को दोनों देश अधिकृत बयान जारी कर सकते हैं। दोनों देशों के बीच वार्ता का अगला दौर जल्दी होगा।

बातचीत के दौरान भारतीय पक्ष चीनी सेना को कोंगका ला के पास गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स और दौलत बेग ओल्डी क्षेत्र में देपसांग और डेमचोक सेक्टर के चारडिंग नाला जंक्शन में गश्त केक अधिकारों के मुद्दों को हल करने के लिए मनाने में विफल रहा। कुल मिलाकर बातचीत बिना किसी सकारात्मक नतीजे के खत्म हो गई। हालांकि कहा गया है कि दोनों देशों के बीच स्वीकार्य समाधान के प्रयास प्रगति पर हैं। इसका मतलब है कि भारतीय सेना और पीएलए कमांडर दोनों भविष्य में भी

बातचीत जारी रखेंगे। हालांकि यह गारंटी नहीं है कि क्या चीनी सेना गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स में अप्रैल 2020 की यथास्थिति को बहाल करेगी या देपसांग बुलगे या सीएनजे मुद्दे को हल किया जाएगा। भारतीय सेना ने पीएलए के पैंगोंग त्सो पर एक पुल के निर्माण का मुद्दा भी उठाया, ताकि तेजी से सेना की तैनाती और चीनी सेना द्वारा कब्जे किए गए अक्साई चिन क्षेत्र में तेजी से सैन्यीकरण किया जा सके।

मई 2020 से जारी है गतिरोध, चीन ने किया एलएसी में बदलाव

भारत और चीन की सेनाओं के बीच लद्दाख में एलएसी के साथ गतिरोध कायम है। चीनी सेना ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व वाले केंद्रीय सैन्य आयोग के निर्देशों के तहत मई 2020 में एलएसी को एकतरफा रूप से बदलने का प्रयास किया था। उसके बाद से दोनों देशों के बीच गतिरोध जारी है। दोनों सेनाओं ने क्षेत्र में अपने बलों को तैनात किया है। इनमें वायु सेना के अलावा मिसाइल, रॉकेट, तोपखाने और टैंक रेजिमेंट शामिल है। चीन ने मई 2020 में पैंगोंग त्सो, गलवान, गोगरा-हॉट स्प्रिंग्स क्षेत्र में अतिक्रमण करके 1993 और 1996 के द्विपक्षीय शांति समझौतों को तोड़ दिया।

अमेरिका में श्वान सूंघकर बता रहे आप पॉजिटिव हैं या नहीं? विशेष गंध से कर रहे पहचान

वाशिंगटन। श्वानों को ईश्वर ने सूंघने की अद्भुत शक्ति दी है। इसके दम पर वे इंसानों को खतरे से बचाने के लिए अपनी जान झोंक देते हैं। हम यहां अमेरिका के ऐसे खोजी श्वानों का जिक्र कर रहे हैं जो वैश्विक महामारी कोरोना से संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान सूंघ कर कर लेते हैं।

अब तक आपने खोजी श्वानों का उपयोग सेना व पुलिस द्वारा बमों, संदिग्ध वस्तुओं व व्यक्तियों, पहाड़ों पर बर्फ में दबे लोगों को ढूंढ निकालने आदि महत्वपूर्ण कामों को अंजाम देते सुना व देखा होगा। लेकिन अमेरिका में विशेष रूप से प्रशिक्षित श्वान अब कोविड पॉजिटिव रोगियों की पहचान भी करने लगे हैं। यदि इन्होंने आप में कोरोना वायरस की पुष्टि कर दी तो आपको आरटीपीसीआर टेस्ट कराने की जरूरत नहीं है। ये सूंघने की दिव्य शक्ति के दम पर कोविड-19 की पुष्टि कर रहे हैं।

बायो डिटेक्शन के आ रहे काम, कैंसर व डायबिटीज की भी पहचान

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका में खोजी कुत्तों का इस्तेमाल कैंसर, डायबिटीज व पार्किंनसंस जैसे रोगों की पहचान में भी किया जा रहा है। इस प्रक्रिया को 'बायो डिटेक्शन'या जैविक पड़ताल कहा जाता है।इस तरीके से रोग की जांच में किसी रसायन के इस्तेमाल की जरूरत नहीं पड़ती। 2019-20 में जब कोरोना महामारी फैली थी तो अमेरिकी वैज्ञानिकों ने कोरोना की पड़ताल में खोजी श्वानों की सेवाएं लेने का प्रयोग शुरू किया था। अब इसमें कामयाबी मिल गई है।

इरान में बेनतीजा रही अफगानिस्तान के राष्ट्रीय प्रतिरोध मोर्चा और तालिबान के बीच वार्ता

काबुल। इरान की राजधानी तेहरान में अफगानिस्तान के राष्ट्रीय प्रतिरोध मोर्चा और तालिबान के बीच शुरू हुई वार्ता बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गई। टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार रेजिस्टेंस फ्रंट के वार्ता दल के एक सदस्य ने नाम न छापने की शर्त पर मंगलवार को कहा कि इस्लामिक अमीरात की टीम ने बैठक का कोई ठोस नतीजा न निकलने पर रेसिस्टेंस फ्रंट के नेताओं को कहा कि उनको अफगानिस्तान लौट जाना चाहिए। कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी के नेतृत्व में इस्लामिक अमीरात के प्रतिनिधि शनिवार को ईरान गए और काबुल लौट आए। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, NRF के एक सदस्य ने यह भी कहा कि उन्होंने तेहरान द्वारा आयोजित तालिबान के अधिकारियों के साथ अपनी दो दिवसीय बैठक में अफगानिस्तान में एक माध्यमिक सरकार की स्थापना का प्रस्ताव रखा। टीम के सदस्य ने कहा 'उनके लिए हमारा प्रस्ताव स्पष्ट और एक माध्यमिक सरकार बनाने का था जो अगली सरकार के लिए काम करेगी और लोगों को समान अधिकार और स्वतंत्रता का आनंद मिलेगा। लेकिन तालिबान की सहमति न बनने पर वार्ता बिना किसी परिणाम के समाप्त हो गई' । इस बीच मुत्ताकी ने कहा कि NRF टीम के साथ उनकी सकारात्मक चर्चा हुई। बातचीत करने वाली टीमों में इस्लामिक अमीरात के चार अधिकारियों और प्रतिरोध मोर्चे के पांच सदस्यों ने भाग लिया। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार बैठक में इस्लामिक अमीरात के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी, कार्यवाहक आर्थिक मंत्री दीन मोहम्मद हनीफ, कार्यवाहक उद्योग और वाणिज्य मंत्री नूरुद्दीन अज़ीज़ी, सीमा और जनजातीय मामलों के कार्यवाहक उप मंत्री हाजी गुल मोहम्मद ने का जबकि इस्माइल खान, एक पूर्व जिहादी नेता, मावलवी हबीबुल्लाह हेसम, अब्दुल हाफिज मंसूर, हेसामुद्दीन शम्स, बडगी के पूर्व गवर्नर, और घोर के पूर्व गवर्नर अब्दुल ज़हीर फैज़ ज़ादा ने NRF की तरफ से प्रतिनिधित्व किया ।

पैसिफिक मॉल टैगोर गार्डन में 4000 से अधिक लोगों को लगी

नई दिल्ली।

दिल्ली के प्रतिष्ठित मॉल पैसिफिक टैगोर गार्डन में चल रहे कोरोना वैक्सीन कैंप में अब तक 4000 से अधिक लोगों ने कोरोना वैक्सीन लगवाई। यह मॉल टैगोर गार्डन और आसपास के क्षेत्र के लोगों के लिए एक खास गंतव्य स्थल है जिसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां पर मुफ्त टीकाकरण कैंप को 3 दिसंबर से आयोजित किया जा रहा है। लोगों में भी यहां पर टीकाकरण को लेकर काफी उत्साह है, जिसे देखकर लग रहा है कि यहां पर वैक्सीन लेने वालों की संख्या काफी बढ़ सकती है।

पैसिफिक मॉल के कार्यकारी निदेशक अभिषेक बंसल ने कहा, ''हम हमेशा सामाजिक मूल्यों को प्राथमिकता देते हैं। मॉल आने वालों को स्वस्थ रखने और स्वस्थ जीवन शैली से जोड़ने के लिए यहां टीकाकरण कैंप का आयोजन किया जा रहा है। कोरोना माहामारी से लड़ने में कोरोना वैक्सीन ही सबसे कारगर उपाय है और इसलिए हम लोगों से अपील भी करते हैं कि वैक्सीन लगवाएं और दूसरों को भी वैक्सीन लगवाने के लिए प्रेरित करें इसके साथ ही कोरोना गाईडलाइन का भी पालन करें।''

टाटा पावर-डीडीएल शानदार सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 'बैस्ट इलैक्ट्रॉनिक्स सिक्योरिटी कंपनी- इंटीग्रेटर'अवार्ड से सम्मानित

नॉर्थ दिल्ली।

- सेफ्टी और सिक्योरिटी बेहतर बनाने के लिए इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सिस्टम (आईएसएस) लागू करने पर मिला पुरस्कार
- आईएसएस से कंपनी परिसर में रियल टाइम एक्सेस की सुविधा मिलती है, जो है घुसपैठ और असुरक्षित स्थितियों को पता लगाने में मददगार

नॉर्थ दिल्ली में 7 मिलियन से अधिक की आबादी को बिजली सप्लाई करने वाली अग्रणी पावर यूटिलिटी टाटा पावर-डीडीएल को 31वें आईएसएसएम एनुअल ग्लोबल कॉन्क्लेव में 'बैस्ट इलैक्ट्रॉनिक्स सिक्योरिटी कंपनी - इंटीग्रेटर' अवार्ड से सम्मानित किया गया है। कंपनी को यह पुरस्कार उसके शानदार सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर एवं सेफ्टी मैकेनिज्म के लिए मिला है। एक वर्चुअल अवार्ड समारोह में इस पुरस्कार की घोषणा की गई।

कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं, कर्मचारियों के अलावा इंटरनल एवं एक्सटरनल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा, और अपने नेटवर्क एरिया में एफिशिएंट पावर डिस्ट्रिब्यूशन सुनिश्चित करने के लिए लगाए गए इंटेलीजेंट नेटवर्कों को उन्नत बनाने के इरादे से इंटीग्रेटेड सिक्योरिटी सॉल्यूशन सिस्टम लागू किया है। सैंट्रलाइज्ड कमांड एवं कंट्रोल सैंटर के ज़रिए यह व्यवस्था की गई है। इसकी मदद से कंपनी परिसर में, रियर टाइम में, असुरक्षित परिस्थितियों और ख़ासतौर से अनमैन्ड ग्रिडों तथा अन्य साइटों में घुसपैठों पर निगरानी रखने में मदद मिलती है।

आईएसएस सिस्टम एक तरह का मल्टी-लेयर्ड सिस्टम है जो अलग-अलग कंपोनेंट्स को एकसूत्र में पिरोता है। यह एक ही सिस्टम से एक्सेस कंट्रोल सिक्योरिटी, पेरीमीटर कंट्रोल सिक्योरिटी, वीडियो सरवीलेंस सिक्योरिटी की सुविधा देता है। इन सिस्टम्स से सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रिमोट एक्सेस मिलता है जिसके चलते कंपनी हर लोकेशन पर पेट्रोलिंग कैमरों की मदद से चौबीसों घंटे निगरानी के उपायों को लागू करती है।

सेफ्टी एवं सिक्योरिटी इंटीग्रेशन के महत्व पर ज़ोर देते हुए, श्री सिद्धार्थ सिंह, चीफ़-कार्पोरेट अफेयर्स, टाटा पावर-डीडीएल ने कहा,टाटा पावर-डीडीएल में सेफ्टी पर सबसे ज्यादा ज़ोर दिया जाता है और हमारे द्वारा प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण सेवाओं की बुनियाद हमारे इंफ्रास्ट्रक्चर पर ही टिकी है। डिजिटल युग में रिमोट वर्किंग बढ़ने के बाद से सेफ्टी और सिक्योरिटी की ज़रूरत पहले से ज़्यादा हो चुकी है। टाटा पावर-डीडीएल ने न सिर्फ अपने ग्राहकों के लिए हमेशा से, और ख़ासतौर से महामारी के दौरान, लगातार और भरोसेमंद बिजली सप्लाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कदम उठाए हैं, बल्कि ग्राहकों के साथ-साथ अपने कर्मचारियों और एसेट्स की सुरक्षा बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए हैं। यह अवार्ड वास्तव में, स्मार्ट और सेफ नेटवर्क स्थापित करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

टाटा पावर-डीडीएल के बारे में:

टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रिब्यूशन लिमिटेड (टाटा पावर-डीडीएल) प्रमुख डिस्कॉम है जो इंफॉरमेशन एवं ऑपरेशनल टैक्नोलॉजी सेवाओं की मदद से, नॉर्थ दिल्ली में करीब 7 मिलियन की आबादी के लिए पावर सप्लाई करती है। है। कंपनी ने देश की राजधानी में एटीएंडसी नुकसान में रिकॉर्ड कमी और सभी वर्टिकल्स में एडवांस्ड टैक्नोलॉजीज अपनाकर बिजली वितरण के परिदृश्य में व्यापक बदलाव लया है। यह देश की सबसे बड़ी एकीकृत बिजली कंपनी टाटा पावर और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार की पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप वाली संयुक्त उपक्रम कंपनी है। निजीकरण के बाद से टाटा पावर-डीडीएल के इलाकों में एकीकृत टेक्निकल एंड कॉमर्शियल (एटीएंडसी) नुकसान में रिकॉर्ड कमी आई है। वर्तमान में एटीएंडसी नुकसान 7.3त्न है, जिसमें जुलाई 2002 में 53त्न के शुरुआती नुकसान से 86त्न तक की अप्रत्याशित कमी आई है। अधिक जानकारी के लिए कृपया www.tatapower-ddl.com देखें।

आईआईएसएसएम के बारे में:

इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सिक्योरिटी एंड सेफ्टी मैनेजमेंट (आईआईएसएसएम), इंडियन सोसायटीज़ एक्ट के तहत रजिस्टर्ड शैक्षिक संगठन है। यह सिक्योरिटी एवं लॉस प्रीवेंशन प्रेक्टिशनर्स के लिए पेशेवर सुरक्षा एवं सजगता को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है। संगठन औद्योगिक सुरक्षा, आग से बचाव, नुकसान से बचाव और अन्य संबंधित क्षेत्रों से जुड़े सभी पहलुओं पर कंसल्टैंसी सेवाएं एवं थीमेटिक कोर्स चलाती है। और जानकारी के लिए http://www.iissm.com देखें।

खास ख़बर

दुनिया में एक करोड़ से अधिक लोगों ने सूर्य नमस्कार किया

नई दिल्ली। आयुष मंत्रालय ने आजादी का अमृत महोत्सव के तहत शुक्रवार को वैश्विक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें भारत समेत दुनियाभर में एक करोड़ से अधिक लोगों ने कोविड-19 महामारी के दौरान सुरक्षित रहने के उद्देश्य से सूर्य नमस्कार किया। मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में बताया गया कि देश-विदेश के एक करोड़ से ज्यादा लोगों ने कोविड नियमों का पालन करते हुए अपने-अपने स्थानों पर सूर्य नमस्कार किया।

बुल्ली बाई ऐप : दो को न्यायिक हिरासत में भेजा

मुंबई। एक स्थानीय अदालत ने बुल्ली बाई ऐप मामले में गिरफ्तार श्वेता सिंह और मयंक रावत को शुक्रवार को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पूर्व श्वेता ने पुलिस पर पूछताछ के दौरान कथित रूप से झापड़ मारने का आरोप लगाया। दो आरोपियों को मुंबई पुलिस ने महीने के शुरुआत में बुल्ली बाई ऐप के मामले गिरफ्तार किया था जिसके जरिए कथित तौर पर मुस्लिम महिलाओं को निशाना बनाया जाता था।

दारा सिंह चौहान 16 को सपा में होंगे शामिल

लखनऊ। भाजपा की सरकार पर पिछड़ों, दलितों, वंचितों, किसानों और बेरोजगारों की उपेक्षा का आरोप लगाकर उत्तर प्रदेश सरकार के वन एवं पर्यावरण मंत्री पद से इस्तीफा देने वाले भाजपा विधायक दारा सिंह चौहान 16 जनवरी को समाजवादी पार्टी में शामिल होंगे। नोनिया (चौहान) बिरादरी से आने वाले चौहान ने योगी के नेतृत्व वाली भाजपा की सरकार पर पिछड़ों,दलितों, वंचितों, किसानों और बेरोजगारों की उपेक्षा करने का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दे दिया था।

जरा हट के...

सरकार ने अपनी अकर्मण्यता से मित्र पड़ोसी देशों को खतरे में डाला : राहुल गांधी

■ नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक खबर का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने चीन की आक्रामकता के खिलाफ अपनी अकर्मण्यता से मित्र पड़ोसी देशों को भी खतरे में डाल दिया है। उन्होंने ट्वीट किया, मोदी सरकार ने पहले हमारी भूमि सौंप दी और अब चीन को पीछे धकेलने में अपनी अकर्मण्यता से हमारे निकट पड़ोसियों को खतरे में डाल दिया है। अगर आप अपने लिए नहीं खड़े होंगे तो फिर अपने मित्रों के लिए कैसे खड़े होंगे? कांग्रेस ने जिस खबर का हवाला दिया उसमें दावा किया गया है कि चीन ने भूटान में अवैध तरीके से गांव बना लिए हैं।

भारत और चीन के बीच लद्दाख में वास्विक नियंत्रण रेखा पर पिछले कई महीनों से तनाव है। पिछले दिनों दोनों देशों की सेनाओं के बीच 14वें दौर की वार्ता में भारत ने पूर्वी लद्दाख में टकराव के शेष स्थानों से सैनिकों को शीघ्र पीछे हटाने पर जोर दिया। हालांकि इस वार्ता में सफलता नहीं मिली तथा दोनों पक्ष सैन्य एवं राजनयिक माध्यमों से करीबी संपर्क बनाए रखने और शेष मुद्दों के यथाशीघ्र परस्पर स्वीकार्य समाधान के लिए वार्ता जारी रखने को सहमत हुए। दोनों पक्ष अगले दौर की सीमा वार्ता यथाशीघ्र करने के लिए सहमत हुए हैं। भारतीय सेना प्रमुख जनरल एम. एम. नरवणे ने बुधवार को कहा था कि भारत 14वें दौर की वार्ता में पूर्वी लद्दाख में गश्त बिंदु 15 (हॉट स्प्रिंग्स) पर सैनिकों को पीछे हटाने से जुड़े मुद्दों के हल के लिए आशान्वित था।

भारत में 1901 के बाद से 2021 पांचवां सबसे गर्म वर्ष रहा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कहा कि वर्ष 2021 भारत में 1901 के बाद से पांचवां सबसे गर्म वर्ष था, जिसमें देश में औसत वार्षिक वायु तापमान सामान्य से 0.44 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। विभाग ने कहा कि देश में वर्ष के दौरान बाढ़, चक्रवाती तूफान, भारी बारिश, भूस्खलन, बिजली गिरने जैसी मौसमी घटनाओं के कारण।,750 लोगों की मौत हुई है। मौसम विभाग के वार्षिक जलवायु वक्तव्य, 2021 में कहा गया है, 1901 से वर्ष 2021 देश में 2016, 2009, 2017 और 2010 के बाद पांचवां सबसे गर्म वर्ष था। देश के लिए औसत वार्षिक वायु तापमान सामान्य से 0.44 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। इसमें कहा गया है, सर्दियों (जनवरी से फरवरी) और मानसून के बाद (अक्टूबर से दिसंबर) के मौसम में पूरे भारत में औसत तापमान विसंगतियों के साथ क्रमशः 0.78 डिग्री सेल्सियस और 0.42 डिग्री सेल्सियस ने साल 2021 को गर्म करने में मुख्य रूप से योगदान दिया। विभाग ने कहा कि 2016 में, देश के लिए औसत वार्षिक वायु तापमान सामान्य से 0.710 डिग्री सेल्सियस अधिक था। वर्ष 2009 और 2017 में औसत तापमान से यह क्रमशः 0.550 डिग्री सेल्सियस और 0.541 डिग्री सेल्सियस अधिक था। उसने कहा कि 2010 में, औसत वार्षिक वायु तापमान सामान्य से 0.539 डिग्री सेल्सियस अधिक था। भारत में आंधी तूफान और बिजली गिरने से 2021 में 787 लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई जबकि उस वर्ष भारी बारिश और बाढ़ से संबंधित घटनाओं में 759 लोगों की मौत हो गई।बयान में कहा गया है कि चक्रवाती तूफान की वजह से 172 लोगों की मौत हुई और मौसम से संबंधित अन्य घटनाओं के कारण 32 अन्य लोगों की मौत हो गई। 350 लोगों की मौत के साथ महाराष्ट्र सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य था।

देश में कोविड-19 के मामलों की संख्या

239 दिनों में सबसे अधिक

एजेंसी ■ नई दिल्ली

देश में कोविड-19 के मामलों की संख्या 239 दिनों में सबसे अधिक नई दिल्ली, 14 जनवरी (भाषा) देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,64,202 नए मामले आए हैं, जो 239 दिनों में सबसे अधिक है। इन नए मामलों के आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,65,82,129 हो गई है। इसमें ओमीक्रोन स्वरूप के 5,753 मामले शामिल हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली। देश में ओमीक्रोन के मामलों में बृहस्पतिवार से 4.83 प्रतिशत की वृद्धि हुई। स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 12,72,073 हो गई है जो 220 दिनों में सर्वाधिक है। वहीं, संक्रमण से 315 मरीजों की मौत होने से मृतक संख्या बढ़कर 4,85,350 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल संक्रमितों का 3.48 प्रतिशत है जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 से स्वस्थ होने की दर घटकर 95.20 प्रतिशत हो गई है। 19 मई को 24 घंटे में संक्रमण के 2,76,110 मामले आए थे।

पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में।,54,542 का इजाफा हुआ है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक संक्रमण दर 14.78 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 11.83 प्रतिशत है।

संक्रमण से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 3,48,24,706 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.33 प्रतिशत दर्ज की गई है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत देश में अब तक टीके की कुल 155.39 करोड़ से अधिक खुराकें दी जा चुकी हैं।

देश में सात अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ए मामले एक करोड़ के पार हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ के पार और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी।

दिल्ली में मामले तेजी से बढ़ रहे हैं

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं लेकिन चिंता की कोई बात नही है क्योंकि अस्पतालों में मरीजों की भर्ती एवं मौत की दर बेहद कम है। उन्होंने लोगों से जिम्मेदारी भरा रवैया अपनाने का आह्वान किया एवं आश्वासन दिया कि सरकार ने पूरी तैयारियां कर ली हैं एवं अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना वायरस के मामलों में तीव्र वृद्धि के मद्देनजर लगाई गई पाबंदियां जरूरत पड़ने पर ही और सख्त की जाएंगी।

मौतों की संख्या कम करके बताने के आरोप वाली खबरें निराधार

स्वास्थ्य मंत्रालय ने मीडिया में आई उन खबरों का खंडन किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि भारत में कोविड-19 की पहली दो लहरों में हुई मौतों की संख्या को काफी कम करके बताया गया है। मंत्रालय ने उन खबरों को भ्रामक, जानकारी के अभाव वाला और शरारती प्रकृति का करार दिया। भारत सरकार के पास विश्व स्तर पर स्वीकार्य वर्गीकरण के आधार पर कोविड-19 से होने वाली मौतों को वर्गीकृत करने की एक बहुत व्यापक परिभाषा है।मीडिया के एक वर्ग में आई उन खबरों का खंडन किया, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कोरोना वायरस की पहली दो लहरों में कोविड-19 के कारण भारत में मरने वाले लोगों की वास्तविक संख्या से काफी कम करके बताई गई और वास्तविक मृतक संख्या काफी अधिक हो सकती है।

प्रिया को बरी करने के खिलाफ एमजे अकबर की याचिका स्वीकार

■ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय पत्रकार प्रिया रमानी के यौन उत्पीड़न के आरोपों पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एमजे अकबर की आपराधिक मानहानि के मामले में निचली अदालत के आदेश के खिलाफ अकबर की याचिका पर विचार करने के लिए बृहस्पतिवार को सहमत हो गया। न्यायमूर्ति मुक्ता गुप्ता की एकल पीठ ने कहा, सुनवाई के लिए सहमत हैं। नियत समय के लिए सूचीबद्ध किया जाता है। न्यायमूर्ति गुप्ता ने पिछले साल अगस्त में अपील पर रमानी को नोटिस जारी किया था।

वकील भावुक चौहान अदालत में रमानी की ओर से पेश हुए और अकबर की अपील पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा। अकबर का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव नायर ने कहा कि वह इस मामले में किसी अंतरिम आदेश का अनुरोध नहीं कर रहे क्योंकि उन्होंने बरी करने को चुनौती दी है और उन्होंने अदालत से अपील स्वीकार करने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति गुप्ता ने कहा कि शिकायतकर्ता को अर्जी दायर करने का अधिकार है और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया।

अकबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गीता लूथरा भी पेश हुईं। अपनी अर्जी में अकबर ने दलील दी कि निचली अदालत ने अनुमान और अटकल के आधार पर उनके आपराधिक मानहानि के मामले में फैसला सुनाया, जबकि यह यौन उत्पीड़न का मामला था। सीनियर पार्टनर, करंजावाला एंड कंपनी के संदीप कपूर के माध्यम से दायर याचिका में कहा गया है कि निचली अदालत रिकॉर्ड पर मौजूद दलीलों और सबूतों का मूल्यांकन करने में विफल रहा।

अकबर ने इस मामले में रमानी को बरी करने के निचली अदालत के 17 फरवरी, 2021 के आदेश को चुनौती दी है। निचली अदालत ने रमानी को इस आधार पर बरी किया था कि एक महिला को दशकों बाद भी अपनी पसंद के किसी भी मंच पर शिकायत रखने का अधिकार है। निचली अदालत ने अकबर की शिकायत यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि रमानी के खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं हुआ है।

अदालत ने कहा कि रमानी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 500 (मानहानि के अपराध के लिए सजा) के तहत दंडनीय अपराध के संबंध में अकबर का मामला साबित नहीं होता है और रमानी को बरी किया जाता है।

रमानी ने 2018 में मी टू मुहिम के तहत अकबर के खिलाफ यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। अकबर ने दशकों पहले उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाकर उन्हें बदनाम करने के मामले में रमानी के खिलाफ 15 अक्टूबर, 2018 को शिकायत दर्ज कराई थी। अकबर ने 17 अक्टूबर, 2018 को केंद्रीय मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था।

छात्रों, शिक्षकों को प्रधानमंत्री संग परीक्षा पे चर्चा में हिस्सा लेने को आमंत्रित किया

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने बृहस्पतिवार को छात्रों, शिक्षकों एवं अभिभावकों को इस वर्ष आयोजित होने वाले परीक्षा पे चर्चा के पांचवें संस्करण में हिस्सा लेने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संवाद करने का अवसर प्राप्त करने के लिए पंजीकरण कराने के लिए आमंत्रित किया। प्रधान ने पंजीकरण का लिंक साझा करते हुए ट्वीट किया, परीक्षा के तनाव को परास्त करने, कैरियर एवं जीवन में आगे बढ़ने के बहुमूल्य मंत्र एवं काफी कुछ। यहां आपको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से सीधे मार्गदर्शन प्राप्त करने का मौका मिलेगा। छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को परीक्षा पे चर्चा 2022 में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित कर रहा हूं। वहीं, शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में ट्वीट में कहा था, परीक्षा पे चर्चा फरवरी 2022 में आयोजित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संवाद एवं इस कार्यक्रम में भागीदारी के लिए पंजीकरण कराएं। गौरतलब है कि स्कूल एवं कालेज के छात्रों के साथ प्रधानमंत्री के संवाद कार्यक्रम परीक्षा पे चर्चा का पहला संस्करण 16 फरवरी 2018 में तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए छात्र, शिक्षक एवं अभिभावक माईजीओवी वेबसाइट पर परीक्षा पे चर्चा 2022 खंड में पंजीकरण करा सकते हैं।

निर्णय

यह मामला 2007 का है। इसकी प्रासंगिकता समाप्त हो गई है।

चांदनी चौक के पुनर्विकास से संबंधित 15 साल पुरानी याचिका वापस लेने की अनुमति

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को एक गैर-सरकारी संगठन की ओर से 2007 में दायर याचिका वापस लेने की अनुमति देते हुए कहा कि चांदनी चौक इलाके के पुनर्विकास से जुड़ा 15 साल पुराना यह मामला अपनी प्रासंगिकता खो चुका है। उच्च न्यायालय ने, हालांकि, यह स्पष्ट कर दिया कि मामले में जुड़े विभिन्न प्राधिकरण याचिका लंबित रहने के दौरान पारित उसके दिशानिर्देशों का पालन करना जारी रखेंगे। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनूप जयराम भम्भानी की पीठ ने कहा, यह मामला 2007 का है और अब लंबा समय बीत चुका है। इसकी प्रासंगिकता समाप्त हो गई है। खंडपीठ चांदनी चौक का पुनर्विकास करने और गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए अलग लेन बनाए जाने की मांग को लेकर एनजीओ मानुषी संगठन की याचिका की सुनवाई कर रही थी। एनजीओ की ओर से पेश अधिवक्ता इंदिरा उन्नीनायर ने दलील दी कि मामला पिछले 15 वर्षों से चल रहा है और अवमानना के कई मामलों के साथ अधिकारियों या सरकारी एजेंसियों की सुस्ती, अनिच्छा और गैर-अनुपालन को दर्शाते हुए बार-बार आदेश पारित किए गए हैं।

उन्होंने दलील दी कि इस जनहित याचिका का व्यापक और समग्र उद्देश्य प्राप्त नहीं कर सकी है और अब इस याचिका का निपटारा कर दिया जाना चाहिए, क्योंकि अब इस याचिका ने अपनी उपयोगिता खो दी है।

अधिवक्ता ने यह कहते हुए याचिका वापस लेने की अनुमति खंडपीठ से मांगी कि अब इस याचिका में कोई और दिशानिर्देश की जरूरत नहीं है। हालांकि चांदनी चौक सर्व व्यापार मंडल की ओर से पेश हो रहे वरिष्ठ अधिवक्ता संजीव रल्ली ने याचिकाकर्ता की अधिवक्ता की दलीलों का यह कहते हुए विरोध किया कि अदालत के पहले के दिशानिर्देशों का अनुपालन अधिकारियों ने पूरी तरह नहीं किया है और मुख्य नोडल अधिकारी से इस बारे में अंतिम रिपोर्ट मांगी जानी चाहिए। खंडपीठ ने कहा कि इस मामले में बहुत अधिक समय दिया जा चुका है और प्रतिवादी किसी याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने से नहीं रोक सकते। खंडपीठ ने पूछा कि आखिर बाजार संघ चाहते क्या हैं? रल्ली ने जवाब दिया कि वह अदालत के पहले के आदेशों का पूर्णतया अनुपालन चाहते हैं। इस पर न्यायमूर्ति मृदुल ने टिप्पणी की, यदि वे अनुपालन नहीं करते हैं तो याचिकाकर्ता अवमानना याचिका दायर कर सकते हैं।

संपादकीय

मौसम की तल्खी

कहते हैं आमतौर पर मुंबई में लोग दिसंबर के महीने में पसीना पोंछते नजर आते थे, लेकिन इस बार मौसम ने ऐसी करवट ली कि नये साल में न्यूनतम तापमान ने पिछले एक दशक का रिकॉर्ड तोड़ दिया। देश की आर्थिक राजधानी में साल की शुरुआत में तापमान 15 से लेकर 13 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा। कहा जा रहा है कि मुंबई वाले इस तापमान के लिये नहीं बने हैं। सोशल मीडिया में मुंबई की ठंड को लेकर खूब फिकरे कसे जा रहे हैं और लोग गर्म कपड़े तलाश रहे हैं। केवल मुंबई के मौसम की तल्खी ही चर्चा में नहीं है, पूरा उत्तर भारत मौसम की करवट से दो-चार रहा। लुढ़कते पारे ने लोगों की तमाम मुश्किलों में इजाफा कर दिया। गरीब को तो मौसम की तल्खी झेलनी ही होती है, लेकिन अबकी बार अमीर भी परेशान हैं। वजह है देश में कोरोना संकट की तीसरी लहर का होना। ठंड लगने से होने वाला सर्दी-जुकाम शक पैदा कर देता है कि कहीं कोरोना की चपेट में तो नहीं आ गये। दरअसल, दोनों के प्रारंभिक लक्षण मिलते-जुलते जो हैं। यूं तो सर्दी में अलाव तापने की तस्वीरें पूरे देश से आती रही हैं लेकिन मुंबई में सार्वजनिक स्थलों में ऐसा दृश्य अनूठा ही कहा जायेगा। दरअसल, मुंबई की ठंड की वजह उत्तर भारत में पड़ी ज्यादा ठंड को बताया जा रहा है, लेकिन महाराष्ट्र में कई जगहों पर बारिश के साथ ओले पड़ने के भी समाचार मिले थे, जिसका प्रभाव मुंबई के तापमान पर पड़ा। लेकिन यह तय है कि देश-दुनिया मौसम में जो अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव महसूस कर रही है, उसके मूल में कहीं न कहीं ग्लोबल वार्मिंग का संकट भी है। मौसम के इस तेवर का असर पूरी दुनिया में है। यहां तक कि मध्यपूर्व के रेगिस्तानी इलाकों में बर्फबारी की खबरें आ रही हैं। पाकिस्तान के एक हिल स्टेशन में पिछले दिनों हुई अप्रत्याशित बर्फबारी में 22 लोग कारों में ही दम घुटने से मर गये।

निस्संदेह देश के अनेक हिस्सों में ठंड की तल्खी रक्त जमाने वाली है जो कि सामान्य मौसम-चक्र से अलग है। पहाड़ी राज्यों में हुई अप्रत्याशित बर्फबारी ने मैदानी इलाकों में सामान्य जीवन को भी बाधित किया है। वह भी जब कोरोना का नया वेरिएंट ओमीक्रोन देश में लाखों लोगों को रोज अपनी चपेट में ले रहा है, ऐसे में मौसम की तल्खी ने दोहरी चिंता बढ़ा दी है। यूं तो ठंड और बारिश इस मौसम में सामान्य बात है लेकिन इसकी तीव्रता परेशान करने वाली है, जिसने उत्तर भारत के राज्यों में तापमान में अप्रत्याशित कमी की है। मौसम विज्ञानी बता रहे हैं कि मौसम की तल्खी की एक वजह पश्चिमी विक्षोभ भी है, जिससे उत्तर-पश्चिमी भारत में अधिक बारिश हुई और पारा लुढ़का। इसके मूल में अरब सागर के ऊपर अधिक नमी के क्षेत्र का विकसित होना रहा। इस हवा के मध्य भारत की ओर उन्मुख होने से बारिश की स्थितियां बनी हैं। जब ये हवायें हिमालयी राज्यों से चलीं तो मैदानी इलाकों में ठंड का प्रकोप बढ़ा है, जिसके अनुकूल लोगों को खुद को ढालने में परेशानी का सामना करना पड़ा है। इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार समाज का वंचित तबका ही होता है, जिसके नसीब में छत तक नहीं है। हाशिये के लोगों को राहत देने की बातें तो सरकारें करती हैं, लेकिन हकीकत में इन्हें किस सीमा तक मदद मिलती है यह एक यक्ष प्रश्न है। खासकर यह स्थिति तब विकट हो जाती है जब देश एक महामारी के दौर में हो। देश में चुनाव केंद्रित राजनीति के शोर में समाज का वंचित वर्ग भगवान भरोसे ही नजर आता है। हाल-फिलहाल ठंड से जल्दी राहत मिलने की भी संभावना नजर नहीं आती। ऐसे में समाज के संपन्न तबके व स्वयं सेवी संस्थाओं का भी दायित्व बनता है कि मौसम की तल्खी झेलने वाले वंचित समाज की मदद को आगे आयें। स्थानीय प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि बेघरों के लिये बनाये गये रैन बसेरों में रहने व खाने की पर्याप्त व्यवस्था हो। महामारी के दौर में यह चुनौती बड़ी है।

सावधानी हटी, दुर्घटना घटी

मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक सेनसेक्स 61000 बिंदुओं से ऊपर जाकर एक तरफ तो सकारात्मक संकेत दे रहा है, पर यह भी इंगित कर रहा है कि सावधानियां अपेक्षित हैं। अगर सेनसेक्स 61000 बिंदुओं पर टिका रह जाए तो मोटे तौर पर माना जा सकता है कि एक साल में सेनसेक्स में करीब पच्चीस प्रतिशत का उछाल आ गया है। पच्चीस प्रतिशत का उछाल तो सामान्य अवधि में भी बेहतरीन ही माना जाता है, यहां तो यह उछाल कोरोना काल में हासिल हुआ है। सेनसेक्स एक महीने में करीब चार प्रतिशत उछल चुका है। यानी मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक देखें, तो बिल्कुल पता नहीं लगता है कि देश अभी भी कोरोना से जूझ रहा है, और सबसे बड़ी बात ओमीक्रोन के मामले नये उफान पर हैं। स्टाक बाजार क्या अर्थव्यवस्था से निरपेक्ष हो सकते हैं पर सारे निवेशकों का हाल बढ़िया नहीं है। पेटीएम जैसे नामी गिरामी ब्रांड वाली कंपनी में जिन निवेशकों ने कंपनी के शेयर खरीदे थे, उनकी रकम आधी हो चुकी है, रकम डूब गई। दरअसल, चिंताएं यहां से शुरू होती हैं। कई निवेशक नई कंपनियों के शेयरों में धुआंधार पैसा लगा रहे हैं, ऐसा लग रहा है जैसे वो मानकर चल रहे हों कि शेयर बाजार की सिर्फ एक ही गति हैग और वह है ऊपर की ओर जाना। विश्व स्वास्थ्य संगठन के ताजा बयानों के अनुसार ओमीक्रोन को हलके में नहीं लिया जाना चाहिए। मार्च, 2021 में भी लोगों में आश्वस्ति का एक भाव आ गया था कि अब तो कोरोना लगभग विदा हो लिया है। फिर, अप्रैल-मई, 2021 में जैसा तांडव कोरोना ने मचायाग वह अभूतपूर्व था। पर इस तरह की चिंताओं से शेयर बाजार कतई मुक्त दिखाई देता है। यह वक्त है छोटे निवेशकों के लिए सावधानी काग उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि अब तो शेयर बाजार ऊपर ही ऊपर जाएगा। खासकर नई कंपनियों के शेयरों में उन्हें बहुत ही सावधानी के साथ निवेश करना चाहिए। वैसे भी ध्यान रखने योग्य बात यह है कि शेयर बाजार किसी एक कारक से ही संचालित नहीं होता। अनेक कारक होते हैग जो इसे संजीदा बनाने में सक्षम रहते हैं।

कटाक्ष/सहीराम

अपने-अपने सपने

जरूरी नहीं है जी, कि सपनों में सुंदरियां ही आएं, माशूकाएं ही आएं। भगवान भी आ सकते हैं। इधर श्रीकृष्णजी नेताओं के सपनों में खूब आने लगे हैं। नेताओं के सपनों में वैसे तो बिल्ली के सपनों में आने वाले छीछडों की तरह कुर्सी ही आती है, लेकिन चुनाव के वक्त येन केन प्रकारेण वे भगवान को भी अपने सपनों में बुला ही लेते हैं। श्रीकृष्णजी पहले बस गोपियों के सपनों में आते रहे होंगे, लेकिन लगता है कि अब नेताओं ने गोपियों को बरज दिया है कि देखो, चुनाव का वक्त है, इसलिए कुछ दिन श्रीकृष्णजी को हमारे सपनों में आने के लिए छोड़ दो। चुनाव होने के बाद हम उन्हें आपके लिए छोड़ देंगे, यह वादा रहा। अभी तक लोग मानते थे कि लोगों के सपनों में वे देवी-देवता ही आते हैं, जो अपना मंदिर बनवाना चाहते हैं। सपनों में आकर वे बताया करते हैं कि फलां जगह मेरी मूर्ति गड़ी हुई है, उसे निकालो और वहां मेरा मंदिर बनाओ। रामलला के मंदिर का सपना तो खैर, सार्वजनिक ही हो गया और अब वह पूरा भी हो रहा है। हालांकि ओरिजनली यह सपना देखने वाले तो इतना बुढ़ा गए हैं, और थक गए हैं कि अब वे इस पर खुशी का इजहार भी नहीं कर सकते। लेकिन राम लला ने जरूर राहत की सांस ली होगी कि इतने साल चुनावों में जुते रह कर यह मंदिर पाया है। अब बारी श्रीकृष्णजी की है। जब से नेताओं ने घोषणा की है कि श्रीकृष्णजी उनके सपनों में आने लगे हैं, तब से रामलला का बड़ा मन कर रहा होगा उन्हें छेड़ने का कि महाभारत के वक्त तो बड़ी राजनीति की थी महाराज, लेकिन अब जरा यह राजनीति करके दिखाओ तो जानें। उधर श्रीकृष्णजी अवश्य ही रामलला से शिकायत करने के मूड होंगे कि जब तीस-पैंतीस साल से चुनावों का सारा भार अपने कंधों पर लिए घूम रहे थे, तो प्रभु अब मुझे क्यों जोत रहे हो। मुझे अपनी बंसी बजाने दो। अब उन्हें कौन बताए कि प्रभु आपके बाद तो बंसी बजाने वाले अनेक नीरो हो गुजरे हैं। आप उनके सामने कहां ठहरोगे। इसलिए अच्छा है कि अगर मौका मिला हैग तो थोडवे राजनीति ही कर लो। वैसे भी आपके लिए यह क्षेत्र अनजान तो है नहीं। फिर यह घोषणा भी पहले ही हो चुकी थी कि रामलला के बाद आप ही का नंबर है। लेकिन श्रीकृष्णजी के लिए समस्या यह आ सकती है कि गोपियों के कहने पर तो वे बृज नहीं लौटे थे, पर अब नेता लोग उन्हें वापस बृज लाने पर आमादा हैं। जरूरत पड़ेगी तो जबर्दस्ती भी ले आएंगे। लेकिन फिर समस्या दूसरी आएगी कि वे किसका पक्ष लें। क्योंकि वे तो दोनों पक्षों के सपनों में आ रहे हैं। पर चिंता नहीं। महाभारत के वक्त भी उन्होंने इसका समाधान निकाल लिया था, अब भी निकाल ही लेंगे।

कितने चुनौतीपूर्ण होंगे कोरोना काल में चुनाव

आर.के. सिन्हा

कोराना काल के बाद पहले चुनाव तो बिहार विधानसभा के लिये नवंबर-दिसंबर 2020 में ही हुए थे। उन चुनावों को आयोजित करने के बाद चुनाव आयोग ने अपनी पीठ भी थपथपाई थी। उसके बाद देश ने पश्चिम बंगाल विधानसभा के चुनाव भी देख लिए। वहां आठ चरणों में हुए चुनाव मार्च-अप्रैल 2021 में हुए थे। तब कोरोना की दूसरी लहर से देश जूझ रहा था। अब चुनाव आयोग ने पांच राज्यों गोवा, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मणिपुर और उत्तराखंड विधान सभा चुनावों के कार्यक्रम की घोषणा भी कर दी है। इन चुनावों के बाद देश को 690 नए विधायक और लगभग बीस नए राज्य सभा सदस्य मिलेंगे। इन विधानसभा चुनावों की प्रक्रिया में लगभग दो महीने का वक्त लगेगा। इसमें साढ़े 18 करोड़ के आसपास मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल मिलाकर बड़े स्तर पर होंगे ये विधानसभा चुनाव।

हालांकि आशंका थी कि कोरोना की तीसरी लहर के चलते चुनाव प्रक्रिया शायद टल जाएगी, पर हालात का सघन जायजा लेने के बाद चुनाव आयोग इस नतीजे पर पहुंचा है कि चुनाव संपन्न कराए जाएँगे। वैसे भी चुनाव टालना इतना आसान नहीं है। आचार संहिता लागू होते ही विभिन्न जिलों में प्रशासन ने विधानसभा क्षेत्र स्तर तक पोस्टर और होर्डिंग्स हटवाने का काम तेज कर दिया है। अब राजनीतिक पार्टियों के लिए कोरोना संक्रमण के बीच हर दरवाजे तक पहुंचना एक बड़ी चुनौती होगी। पंचायत, नगर निगम और विधानसभा चुनावों में तो उम्मीदवार लगभग घर-घर जाते रहे हैं। अब विधानसभा क्षेत्र में यह उम्मीद करना सही नहीं होगा। जब वैश्विक महामारी खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है तो चुनावों का चेहरा- मोहरा तो बदलेगा ही।

> सारे देश की यह भी कामना है कि पांच राज्यों के चुनावों के दौरान कोरोना का असर सामने न आए। उम्मीद भी है कि कोरोना के व्यापक स्तर पर हुए टीकाकरण के चलते देश अपने लोकतांत्रिक पर्व को सही से मना लेगा।

अब तो चुनाव इस तरह से कराना होगा ताकि महामारी का असर न के बराबर ही हो। ये जिम्मेदारी सिर्फ चुनाव आयोग की नहीं है कि वह चुनावों को सफलतापूर्वक तरीके से सम्पन्न करवा ले। इसके लिए राजनीतिक दलों के नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं को भी सक्रिय होना होगा। मतदाताओं को भी लोकतंत्र के पर्व को संपन्न करवाने की बाबत मतदान की आहुति तो देनी ही होगी।

खैर, सबको पता है कि चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गई है। कोरोना की तीसरी लहर के डर और भय के बीच दो बातों से संतोष हो सकता है। पहला, जिन राज्यों में चुनाव हो रहा है वहां पर लगभग सबको कोरोना का कम से कम एक टीका लग चुका है। यह स्थिति तब नहीं थी जब बिहार या पश्चिम बंगाल में चुनाव हुए थे। पंजाब में टीकाकरण की रफ्तार धीमी अवश्य रही है। सबको पता है कि कोरोना से बचने का एक मात्र तरीका यही है कि इसका टीका जल्द लगवा लिया जाए। मास्क पहनना और सोशल डिस्टेंसिंग तो हैं ही।

दूसरी बात यह है कि इन चुनावों में सभी राजनीतिक दल अपने मतदाताओं के पास आभासी दुनिया के मार्फत भी पहुंचना होगा। वे वर्चुअल रैलियों पर ही ज्यादा जोर देंगे। इस तरह से भीड़ से बचा जा सकेगा। भारतीय जनता पार्टी इंटरनेट के विभिन्न माध्यमों पर काफी सशक्त है। ट्विटर, यूट्यूब, फेसबुक, इंस्टाग्राम पर उसके फालोवरों की संख्या बहुत बड़ी है जो लगातार बढ़ रही है । वाट्सएप ग्रुपों का भी उसका व्यापक संजाल है। ऐसे में वह जब चाहे वर्चुअल मोड में सभा कर सकती है।

बाकी दल भी सोशल मीडिया के महत्व को समझते हैं। चूंकि चुनाव लड़ने के लिए 40 लाख खर्च की सीमा तय हो चुकी है, ऐसे में विभिन्न पार्टियों के प्रत्याशियों को बहुत-सोच समझकर ही काम करना पड़ेगा, क्योंकि इस तकनीकी के युग में एक-एक पैसे का हिसाब रखना चुनाव आयोग के लिए मुश्किल काम नहीं है। हालांकि सभी राजनीतिक पार्टियां दागी नेताओं से दूरी बनाने की बात तो कह रही हैं, लेकिन हर पार्टी को जिताऊ प्रत्याशी की भी जरूरत है।

भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश समेत सभी चार अन्य सूबों में किला फतेह करने की हर चंद कोशिश कर रही है। वह इस बाबत कसकर मेहनत भी कर रही है। फिलहाल वह अन्य दलों से मैदान में आगे नजर आ रही है। भाजपा ने विपक्ष के हाथ से लगभग सारे मुद्दे छीन लिए हैं। विभिन्न पार्टियों की चुनावी घोषणाओं के अलावा समग्रता में बात करें तो भाजपा जीवन को प्रभावित करने वाले लगभग सभी क्षेत्रों में कदम बढ़ा रही है। चाहे वह क्षेत्रीय समस्याओं के समाधान की बात हो अथवा विभिन्न जातियों, वर्गों को अपने पक्ष में करने की या फिर धार्मिक भावना को भुनाने की। पार्टी के तमाम बड़े नेता इस समय फील्ड में ही नजर आ रहे हैं।

समाजवादी पार्टी सिर्फ उत्तर प्रदेश में सीमित है। कांग्रेस उत्तर प्रदेश में चौथे नंबर की पार्टी बनने के लिए ही लड़ रही है। उसके लिए देश के इतने खास राज्य में अब कोई सम्मानजनक स्थान नहीं बचा है। हालांकि गांधी परिवार अपने को उत्तर प्रदेश वाला ही बताता है। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब और उत्तराखंड में नजर आ रही है। वह भी उत्तर प्रदेश में कहीं नहीं है। तो बहुत साफ है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा सभी पांच राज्यों में अपनी सरकार बनाने की कोशिश में जुटेगी। हालांकि विभिन्न दल उसे चुनौती तो देंगे ही खासकर उत्तर प्रदेश में समाजवादी और उत्तराखंड और पंजाब में कांग्रेस और आप।

आगामी विधानसभा चुनाव में सारे देश को पंजाब के हालात पर नजर रखनी होगी। वहां लगातार स्थितियां प्रतिकूल बनी हुई हैं। किसान आंदोलन की आड़ में देश विरोधी तत्व खुलकर सामने आ रहे हैं। इन्हें पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं से हरसंभव खाद-पानी भी मिलता है। वहां कांग्रेस की सरकार है लेकिन कांग्रेस के भीतर टूट और क्लेश जारी है। भाजपा विरोधी शक्तियां भी सक्रिय हैं। भाजपा नेताओं को रैलियां निकालने में अवरोध झेलने पड़ रहे हैं।

पंजाब के नए पुलिस महानिदेशक और चुनाव आयोग को वहां पर निष्पक्ष चुनाव कराने होंगे। पंजाब देश का सीमावर्ती राज्य है। उसे राम भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता। वहां हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काफिले को भी षड्यंत्रपूर्वक रोका गया था। यह सारे देश ने देखा था। देश की चाहत है कि पंजाब विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता देश विरोधी ताकतों को खारिज कर देंगे। सारे देश की यह भी कामना है कि पांच राज्यों के चुनावों के दौरान कोरोना का असर सामने न आए। उम्मीद भी है कि कोरोना के व्यापक स्तर पर हुए टीकाकरण के चलते देश अपने लोकतांत्रिक पर्व को सही से मना लेगा।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

शराब से लाखों मौतें

डब्ल्यूएचओ की चेतावनी को गंभीरता से लें

लक्ष्मीकांता चावला

भारत सरकार और विश्व के सभी देश विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिशों, सलाह और उसके द्वारा दी गई चेतावनी को बहुत गंभीरता से लेते हैं। कोई भी बीमारी या महामारी हो, इस संगठन की ओर ही पूरी दुनिया देखती है। लेकिन पर आश्चर्य है कि शराब पीने-पिलाने के काम में भारत सरकार और राज्य सरकारें चेतावनी को पूरी तरह अनसुना कर रही हैं। कितनी भयानक सच्चाई है कि वैश्विक तौर पर वर्ष 2016 में शराब से जुड़ी मौतों का आंकड़ा करीब तीस लाख था। यह सबसे बड़ा और नवीनतम आंकड़ा है। संगठन के अनुसार, बहुत अधिक शराब पीने से जो मौतें हुई हैं उनकी संख्या एड्स, हिंसा और सड़क हादसों में होने वाली मौतों को मिलाने से प्राप्त आंकड़ों से भी ज्यादा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में हर साल होने वाली बीस में से एक मौत शराब की वजह से होती है।

डब्ल्यूएचओ के शराब और अवैध नशीले पदार्थों पर नजर रखने वाले प्रोग्राम की मैनेजर करिना फेरिएरा बार्जेस का कहना है कि दुनिया भर में हर साल शराब पीने वाले तीस लाख लोगों की मौत होती है। यूरोप में एक-तिहाई मौतें शराब पीने से होती हैं। कोरोना से मरे लोगों में अधिकतर शराब पीते थे। इसमें भी पुरुष ज्यादा हैं। एक अध्ययन के अनुसार, प्रति दस मृत संक्रमितों में से एक व्यक्ति शराब पीता था।

अपनी रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ ने कहा कि करीब 23 करोड़ सत्तर लाख पुरुष और चार करोड़ साठ लाख महिलाएं शराब से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रही हैं। भारत में शराब पीने वाले लोगों को चेताने का काम दिल्ली के एम्स के डाक्टरों ने किया। उनका कहना है कि महामारी में शराब पीने का असर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर पड़ता है और संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है।? लेकिन अफसोस कि पंजाब, केरल और अन्य राज्य राजस्व के लिए लोगों की जान जोखिम में डाल शराब की अधिक दुकानें खोलने पर आमादा हैं। केवल भारत में ही 2018 में शराब पीने से 2 लाख साठ हजार लोगों की मौत हुई थी। इसीलिए एम्स के डाक्टरों तथा डब्ल्यूएचओ ने कहा था कि लोगों की सेहत का ध्यान रखते हुए लाकडाउन में शराब की दुकानों का बंद रहना जरूरी है।

एक तरफ तो यह जीवन की रक्षा के लिए चेतावनी वाली रिपोर्ट है, पर दूसरी ओर पंजाब सरकार और कांग्रेस के प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू ने तो कुछ सप्ताह पहले कहा कि पंजाब में शराब पीने-पिलाने का ऐसा प्रबंध करेंगे जिससे सत्तर हजार करोड़ रुपया वार्षिक कमाई हो सके। उनका यह कहना था कि आर्थिक समृद्धि से पंजाब सुखी होगा। लेकिन यह नहीं बताया कि शराब पीने से कितने लोग महामारी, बीमारी, मृत्यु का शिकार हो जाएंगे। कितनी हिंसा होगी, पारिवारिक क्लेश बढ़ेगा, परिवार टूटेंगे। माता-पिता में मतभेद से बचपन अनाथ हो जाएगा। लेकिन किसी ने नहीं कहा कि सिद्धू का शराब मॉडल हानिकारक और पंजाब के हित में नहीं है। इस समय देश और दुनिया में बड़ी विकट स्थिति है। कोरोना महामारी बहुत तेजी से फैल रही है। भारत के पांच राज्यों में चुनाव है। शराब घातक होने की रिपोर्ट डब्ल्यूएचओ ने दी, पर सरकारों ने तो मुनाफे के लिये शराब पिलानी है। चुनाव के दिनों में राजनीतिक दल शराब बांटते हैं। लोग बीमार हों, नशे की हालत में परिवारों में या समाज में अशांति फैलाएं, दुर्घटनाओं में मारे जाएं या कोरोना पीड़ित हों, राजनेताओं को तो वोट चाहिए। यह लोकतंत्र का दुर्भाग्य है कि आजादी का अमृत महोत्सव मनाने वाली सरकारें इस वर्ष भी शराब की कोई कमी नहीं रखेंगी। उन्हें वोट चाहिए। कितना अच्छा हो अगर चुनाव आयोग शराब पीने-पिलाने वालों को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करे।

पिछले डेढ़ वर्ष से कोरोना महामारी के कारण गरीबी और अन्न-धन का अभाव झेल रहे भारतवासियों को राहत देने के लिए भारत सरकार मुफ्त अनाज बांटती है। यह सच है कि अनाज इतनी मात्रा में दिया जाता है कि कोई परिवार भूखा न रहे, लेकिन विडंबना यह है कि जिन परिवारों को गरीब होने के कारण अनाज दिया जाता है, उनमें एक बड़ी संख्या में शराब पीने वाले लोग भी हैं। देश के कुछ बुद्धिजीवी बड़े लंबे समय से यह आवाज उठा रहे थे कि जो लोग शराब स्वयं अपनी कमाई से खरीदकर पी सकते हैं वे अन्न क्यों नहीं खरीद सकते। क्या यह तर्कसंगत है कि अपनी कमाई से तो ये कुछ गरीब लोग शराब पी लें और इनका पेट भरने के लिए देश के लोगों के टैक्सों के पैसों से इन्हें मुफ्त में अनाज दिया जाए। भारत सरकार कानून बनाए कि जो लोग शराब पीते हैं उन्हें मुफ्त अनाज योजना से बाहर निकाल दिया जाए। वहीं चुनाव के दौरान कोई राजनीतिक पार्टी यह नहीं बताती कि चुनावों में मुफ्त शराब देने के लिए बजट की व्यवस्था कौन कर रहा है। चुनाव से पहले ही और महामारी की भयावहता के बीच यह जरूरी है कि शराब पीने वालों को नियंत्रित करने के लिए विशेष कदम उठाये जायें। इसका लाभ होगा कि कोरोना महामारी के दिनों में शराब न पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। बहुत अच्छा होगा कि डब्ल्यूएचओ के दिशा-निर्देशों पर चलते हुए शराब पीने-पिलाने और सरकारी गैर-सरकारी शराब की बिक्री पर रोक लगाई जाए।

बेटे

करुणा रघुवंशी
पर्यावरणविद,समाजसेवक, लेखक, विचारक

'ईश्वर का अनमोल उपहार'
,,सबकी आंखों का तारा होता हैं वो,,
,,बेटा सिर्फबेटा नही,घर का सहारा होता है वो,,

पुरातन काल से हमारे समाज में पुत्रो को बड़ा महत्व दिया जाता रहा है, उन्हें कुलदीपक, वंश चलाने वाला ,माँ-बाप का सहारा माना जाता है, और काफी हद तक यह सही भी है लेकिन कुछ दशकों में इस सोच में क्रांतिकारी परिवर्तन आया है और भारतीय समाज में बेटियों के प्रति हजारों सालों से चली आ रही धारणा में परिवर्तन आया है कि बेटियां भी कुल का ,देश का नाम रोशन कर सकती हैं, और आज हर क्षेत्र में लड़कियों ने अपने आपको साबित करने में कोई भी कसर नही छोड़ी है, हर क्षेत्र में अपनी सफलता का परचम लहराती बेटियों पर पूरा देश ही नही विश्व गौरवान्वित हो रहा है। वर्तमान समय में भी हर क्षेत्र में अनगिनत नाम है और पूर्व में भी चाहे लक्ष्मी बाई हो,देवी अहिल्या, रानी दुर्गावती, इंदिरा गांधी, एनी बेसेंट, अमृता कौर प्रीतम ,लता मंगेशकर जी और पता नही कितने अनगिनत नाम।

एक पुत्री होने के नाते बेटियों की उपलब्धियों पर गर्व से सिर उचा उठ जाता है लेकिन एक बेटे की माँ होने के नाते मुझे हमेशा ये महसूस होता है कि आज के दौर में कही हम बेटियों को उनका अधिकार और सम्मान दिलाने के अति उत्साह में कही अनजाने में बेटों की उपेक्षा तो नही कर रहे है। मेरी बेटी मेरा अभिमान ,बिल्कुल सही है लेकिन ,,मेरा बेटा मेरा सम्मान,, भी साथ साथ होना चाहिए। क्योंकि विश्व विजेता सिकंदर को मात देने वाला भी एक बेटा राजा पुरु ही था,उसके आक्रमण से देश को सुरक्षित कर अखंड भारत का निर्माण करने वाला भी एक बेटा,, चन्द्रगुप्त,, ही था। माता पिता की अनन्य भक्ति करने वाला भी एक बेटा श्रवण ही था।माँ गंगा को धरती पर अवतरित करने वाला भी एक बेटा ,भगीरथ, ही था। अखंड भारत को तजाकिस्तान तक फैलाने वाला भी एक बेटा,,,सम्राट अशोक,, ही था। जिसकी देशभक्ति और धर्मपरायणता को super power अमेरिका की राष्ट्रपति भी अपना आदर्श मानते हो वह भी एक बेटा,,महाराणा प्रताप,,ही था।जिसने विधर्मियों के अन्याय के बीच भी सनातन धर्म की पताका को झुकने नही दिया,वह भी एक बेटा,,,छत्रपति शिवाजी महाराज,, ही थे।

आज के दौर मे लगभग सभी चाहे वह आम व्यक्ति हो,माता-पिता हो,शिक्षक हो या बॉस सबने अपनी धारणा बना ली है कि लड़का हैं तो इसे कोई तकलीफ हो ही नही सकती,इसकी अपनी भावनाएं नही हो सकती,और यह गलत ही होगा।लेकिन मेरा ऐसा मानना बिल्कुल ही नही है।हमारा भारतीय समाज बचपन से लड़को के मन मे ये धारणा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ता की तुम लड़के हो,तुम्हे अपनी भावनाओं को सार्वजनिक करने का कोई अधिकार नहीं है और आंसू तो तुम्हारी आँखों में आना ही सबसे बड़ा गुनाह है,क्यो ? क्या लड़के कोई मशीन है, वह इंसान नही है? किस वेद-ग्रन्थ में लिखा कि पुरुषों को आँसू नही बहाना चाहिए।बल्कि हर माँ-पिता को अपने बेटों को कहना चाहिए कि आप अपनी भावनाओं को हमसे ही नही सबसे खुलकर कहे और आपका जब मन करे आप हमारे कंधे पर सर रखकर जी भरकर रो सकते है,आपके अंदर का तूफान आपको पराजित करे इससे पहले वह आंसुओं का सैलाब बनकर आंखों से बह जाए।

वर्तमान में देश के किसी न किसी कोने में युवाओं के आत्महत्या की घटनाएं होती ही रहती हैं ,और आकड़ो पर ध्यान दे तो उसमें लड़को की संख्या अधिक होती हैं और उससे भी आश्चर्य की बात यह है कि यदि इन घटनाओं का गहन अध्ययन किया जाए तो इसका मूल कारण यही होता है कि लड़के अपनी परेशानी और भावनाओं को किसी से कह ही नही पाते क्योंकि हमने बचपन से उनके स्मृति पटल पर ये अंकित कर दिया है कि तुम अपनी भावनाओं को व्यक्त कर दोगे तो समाज तुम्हे कमजोर कहने लगेगी।

जिस तरह हम बेटियों की हर भावनाओं को ,उनकी सुरक्षा को महत्व देते हैं उसी तरह हमे बेटों की भी भावनाओं को, सुरक्षा को महत्व देना पड़ेगा क्योंकि यदि वर्तमान में परिस्थिति बेटियों के लिए खराब है तो बेटों के लिए भी इतनी संतोषजनक नहीं है।

इस लेख को लिखने का आशय यह है कि हमे बेटियों के साथ साथ बेटों को भी महत्व देना हैयदि बेटियां भावनाओं का समुद्र है तो बेटे परिवार के लिये वह चट्टान है जो हर परिस्थिति को सहन करते हुए,अपनी भावनाओं को दिल मे दफन करके की भी हर हाल में अडिग रहती हैं।

जहां तक मेरे अपने विचार हैं तो मैंने हमेशा अपने ही नही सभी बेटों के लिए यह महसूस किया है कि यदि उन्हें बचपन से संस्कारित कर दे,उन्हें अच्छे बुरे का ,सही-गलत का ज्ञान करवा दे तो बेटे ईश्वर का दिया अनमोल उपहार साबित हो जाते हैं।माता पिता की तरह परवाह करने वाले,दोस्तो की तरह खुशिया बाटने वाले,शुभचिंतकों की तरह सलाह देने वाले और हर मुश्किलों में साथ खड़े रहने वाले साबित हो सकते हैं।

एक 19 वर्षीय पुत्र की माँ होने के नाते अक्सर लोग मुझसे पूछते हैं कि आपको बेटी की कमी महसूस नही होती? तो मैं ईमानदारी से कहूं तो मुझे अपने बेटे के साथ होने पर किसीकी भी कमी महसूस नही होती।मेरा बेटा मेरी माँ,मेरा दोस्त,मेरी बेटी,मेरा सलाहकार सबकुछ है और सबसे बड़ी बात मैंने समाजसेवा के लिये जो भी किया उसमे मेरे त्याग से ज्यादा मेरे बेटे का त्याग हैं क्योंकि ऐसी कोई बात नही होती जिसे बताते समय यह महसूस हो कि वह समझेगा नही क्योंकि बचपन से मैंने हमेशा बेटे को यही शिक्षा दी कि आप अपनी भावनाओं को खुलकर कहेंगे तो आप दूसरों की भावनाओं को उतनी ही शिद्दत से महसूस करेंगे।मैंने हमेशा उसे यही सिखाया की आप जिंदगी के किसीभी मुकाम पर हो देशहित आपके लिए सर्वोपरि होना चाहिए और आप किसीके आंसुओं की वजह न बने क्योंकि भावनाओ से शून्य व्यक्ति पूरे विश्व के लिए एक अभिशाप होता है।

आज के इस भीषण कंपीटिशन के दौर में हमे बेटों को भी महत्व देना है।उनकी भावनाओं को शिद्दत से महसूस करना है, उन्हें ये अहसास दिलाना है कि चाहे सारी दुनिया आपके खिलाफ है लेकिन यदि आप सही हो तो हम हमेशा आपके साथ है।आज जब बेटों को हर तरफ से उपेक्षा का सामना कर पड़ रहा है तब एक समाज के नाते,एक नागरिक के नाते,एक पालक के नाते हमे हर क्षण बेटों के साथ खड़े रहना है।

ऐसा नही है कि लड़के गलत नही होते हैं लेकिन कुछ गलत लोगो के कारनामो की वजह से सभी को गलत मान लेना न्यायोचित नही है।यदि कोई लड़का गलत है भी तो इसके पीछे भी कही न कही हमारी परवरिश या गलत संगति ही मुख्य कारण होती हैं,और एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते कोई भी बच्चा कही भी गलत कर रहा है तो उसे सही रास्ता दिखाना हम सबका कर्तव्य है, जो हम करते नही है और दोष एक ऐसे अबोध बालक को देने लगते हैं जिसे सही गलत का ज्ञान ही नही है।

चाहे बेटे हो या बेटियां दोनो ही समान प्यार ,और सम्मान के हकदार है, देश की आधी आबादी उपेक्षित रहेगी तो देश कैसे विकास करेगा, चाहे वह आधी आबादी बेटियों की हो या बेटों की।इसलिए बेटों को भी महत्व दिजिये क्योंकि सचमुच बेटे बहुत प्यारे होते है।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91
से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

गोल्डन बेल्स इंटरनेशनल में ऑनलाइन लोहड़ी पर्व मनाया गया

संवाददाता

ठाकुरद्वारा मार्ग स्थित गोल्डन बेल्स इंटरनेशनल स्कूल में लोहड़ी पर्व के अवसर पर ऑनलाइन पर मनाया गया इस मौके पर बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

स्योहारा ठाकुरद्वारा मार्ग स्थित गोल्डन बेल्स इंटरनेशनल स्कूल में लोहड़ी पर्व के अवसर पर ऑनलाइन मनाया गया इस मौके पर नर्सरी की होनहार छात्रा अनुशा फ़ात्मा द्वारा लोहड़ी पर्व के अवसर पर सांस्कृतिक गीत प्रस्तुत करते हुए शानदार प्रस्तुति पेश की है जिसको ऑनलाइन अध्यापकों द्वारा सराहना की गई। लोहड़ी आने के कई दिनों पहले ही युवा एवं बच्चे लोहड़ी के गीत गाते है।

पन्द्रह दिनों पहले यह गीत गाना शुरु कर दिया जाता है। जिन्हें घर-घर जाकर गया जाता है। इन गीतों में वीर शहीदों को याद किया जाता है।

जिनमें दुल्ला भट्टी के नाम विशेष रूप से लिया जाता हैं। पंजाबियों के विशेष त्यौहार है। लोहड़ी जिसे वह धूमधाम से

स्योहारा में लोहड़ी पर्व पर ऑनलाइन प्रस्तुत देती अनुशा फ़ात्मा

मनाते है। नाच, गाना और ढोल तो पंजाबियों की शान होते है और इसके बिना इनके त्यौहार अधूरे है।

हित एंव देश की उन्नति के लिए युवाओ का सहयोग जरूरी

संवाददाता

स्योहारा। युवा शक्ति हमारे राष्ट्र के गौरव है तथा हमारे राष्ट्र को विकास और उनत्ति की ओर ले जाने के लिए एक सक्षम शक्ति है। राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर कस्बे के उभरते हुये राजनीतिक व सामाजिक युवाओ ने अपने विचार रखे !

इस मौके पर चैयरमैन पुत्र युवा नेता इमरान अख्तर उर्फ सन्नी ने कहा कि युवा शक्ति हमारे देश की शान है आज के युवा को समझना होगा की उन्ही के हाथो मे हमारे देश का भविष्य निर्भर है। देश को युवा शक्ति के जोश होश ओर एकता की अधिक जरुरत है। व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष अरूण कुमार वर्मा के सिद्ध हॉस्पिटल मुरादाबाद मे कार्यरत पुत्र डा0 अश्वनी वर्मा ने कहा कि आज का युवा मेडिकल लाइन मे मेहनत करके देश को महामारी के संकट से बचाने के लिए पूर्ण योगदान दे रहा है युवाओ को अपने कार्यशैली मे जरूरतमन्दो की मदद करने की आदत बना लेनी चाहिये ! चौधरी मेडिकल के स्वामी असजद चौधरी ने कहा कि युवाओ को देश की तरक्की के लिए आगे बढना होगा ! लेकिन आज का युवा वर्ग दिशाहीन होकर सड़कों पर नारियों के आभूषण झटकता है, लूट मचाता है, चोरी करते है, ऐसे युवाओ को गलत संगत को छोडकर सामाजिक युवाओ का साथ देते हुये जरूरतमन्दों की मदद करने मे मिलकर सहयोग करना चाहिये ! युवा नेता व नगर पालिका स्योहारा से चैयरमैन पद के भावी उम्मीदवार शुऐब असलम अन्सारी उर्फ सन्नू ने कहा कि युवाओ को अपनी शिक्षा, काबिलियत की मेहनत को होश ओर जोश के साथ समाज हित के कार्यो मे प्रयोग करते हुये देश को विकसित ओर विकासशील बनाने मे अपना पूर्ण योगदान देना चाहिये ! वही आजाद प्रेस एंव यूथ सोसाइटी के सरंक्षक युवा पत्रकार अमीन अहमद ने अपने विचारो मे कहा युवाओ की एकता हमारे देश की ताकत है यही एकता हमारे राष्ट्र को तरक्की और खुशहाली की और ले जाने के लिए सक्षम है। लेकिन आज के युवा गलत दिशा की और बढ़ते जा रहे है। उन्हें खुद पे काबू नहीं रहता है तथा कई गलत कामो में हिस्सा लेकर देश की तरक्की मे रूकावट पैदा कर रहे है। बहुत सीधे मिजाज के प्रतिभा के धनी चौधरियान निवासी दानिश चौधरी ने कहा कि आज का युवा हर क्षेत्र मे क्रान्ति लाना चाहता है वो चन्रशेखर आजाद, अशफाकुल्लाखाँ, भगतसिंह, राजगुरु, सुखदेव आदि की तरह देश के लिए जान न्छावर करना चाहता है युवाओ को शिक्षा चिकिस्ता राजनीति वैधानिक क्षेत्रो मे आगे बढकर देश को मजबूती प्रदान करने का संकल्प लेना होगा इसी क्रम मे स्योहारा यूथ सोसाइटी के अध्य्क्ष तनवीर चौधरी ने कहा कि जिन्दगी में अगर तरक्की हासिल करना चाहते हो तो आपको लगातार प्रयास करना होगा और आपको पीछे मुड़कर कभी नहीं देखना होगा। युवाओ को हमेशा एक्टिव रहने की जरूरत है ! आपकी कामयाबी में कोई आपके साथ नहीं होता, जब आप कामयाब हो जाते है, तो सारा जहां आपके साथ होता है। देश हित में कोई भी काम असंभ नहीं, लेकिन आपको देश एंव समाज हित मे हर सामाजिक काम को करते रहना चाहिए। सांई क्लीनिक के युवा चिकित्सक डा0 विकास राज वर्मा ने अपने विचारो मे कहा कि युवा शक्ति राष्ट्र का उच्च तत्त्व है। ... युवा जोश ओर होश राष्ट्र की दूसरी रेखा है तथा कल की कर्णधार है जिन्हे देश का संचालन करना है। अपनी शक्ति और साहस से देश को बलवान बनाना है। युवाओं को अपनी ऊर्जा पराक्रम अडिग और संकल्प को समाज एंव देश हित मे खर्च करने का अटल सकंल्प लेना होगा।

जिलाधिकारी ने माघ मेला क्षेत्र के प्रवेश द्वारों का किया निरीक्षण

मेले में आने वाले सभी श्रद्धालुओं की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता-जिलाधिकारी, प्रयागराज

संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी संजय कुमार खत्री ने गुरूवार को माघ मेला 2022 के स्नान के पूर्व माघ मेला में आने वाले श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों को कोविड के दृष्टिगत सारे प्रवेश द्वारों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डीपीआरओ एवं स्वास्थ्य विभाग के टीम को निर्देशित किया है कि आने वाले श्रद्धालुओं एवं स्नानार्थियों की थर्मलस्क्रीनिंग के द्वारा जांच किया जाये एवं बिना मास्क के मेला क्षेत्र

में प्रवेश न दिया जाये।

कोविड का प्रसार काफी फैल रहा है, इसलिए श्रद्धालुओं से अपील भी किया है कि मास्क एवं अगर इसके कोई लक्षण परिलक्षित होते है, तो सावधानी बरते। इसी क्रम में उन्होंने सिविल डिफेंस के पदाधिकारियों को ब्रीफ करते हुए कहा है कि प्रशासन के साथ आप लोग कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करते है, वे निश्चित रूप से सराहनीय है और इस माघ मेला में आपका योगदान महत्वपूर्ण है। कोविड की चुनौती महत्वपूर्ण है। चिकित्सा की टीम ने अपना कार्य कर रही है तथा आप लोगो को ये ध्यान देना है कि मेला क्षेत्र में बिना मास्क प्रवेश न करने दिया जाये तथा रात्रि कफ्यू का पालन किया जाये तथा लोगो की सुरक्षा हमारी प्रथम प्राथमिकता रहेगी। इस अवसर पर डीपीआरओ सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम उपस्थित रही।

धूमनगंज इलाके में दिनदहाड़े महिला को गोली मारकर किया हत्या

संवाददाता

प्रयागराज। धूमनगंज इलाके में दिनदहाड़े महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सुचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के भोला का पूरा के मोहल्ला निवासी संगीता पत्नी रामनारायण मोहल्ले के अभिमन्यु शुक्ला के मकान में किराए पर रहती थी। अभिमन्यु काफी दिनों से कमरा खाली करने के लिए कह रहा था। इसी विवाद में मकान मालिक ने ही तैश में आकर गोली मारकर हत्या कर दिया।

उसकी पत्नी विमला ने खुद कुबूला कि पति अभिमन्यु गोलियां मारकर भागा है। धूमनगंज क्षेत्र के भोला का पुरवा के रहने वाले अभिमन्यु शुक्ला के मकान में राम नारायण सोनी अपने परिवार के साथ रहते हैं। गुरुवार को कमरा मालिक दबंगई से किराया मांगने लगा इसी बात को लेकर अभिमन्यु और राम नारायण की पत्नी संगीता के बीच विवाद हो गया। कहासुनी के दौरान ही लाइसेंसी पिस्टल लाकर अभिमन्यु ने संगीता को चार गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की तरफ दौड़े तो अभिमन्यु घर से निकलकर भाग गया। घटना की खबर मिली तो कुछ देर में वहां धूमनगंज थाना प्रभारी अनूप सिंह और सीओ सिविल लाइन समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है। गोली मारकर भागे अभिमन्यु की तलाश में पुलिस टीम भेजी गई है। मोबाइल को भी सर्विलांस पर लगाया गया है। संगीता के तीन बच्चे विवेक, सारिका व एक अन्य है। बच्चे घर में रोते मिले। परिवार के लोग भी आ गए हैं। पुलिस का कहना है कि इसके पहले मकान मालिक और किराएदार के बीच विवाद की जानकारी नहीं मिली। वहीं पुलिस फरार हत्यारोपी की तलाश में जुटी है।

कोविड-19 के दृष्टिगत जिलाधिकारी कार्यालय परिसर में तीन शिफटों में 24×7 कोविड कन्ट्रोल रूम संचालित, जन सामान्य सरकारी एवं प्राईवेट चिकित्सकों से ले सकते हैं परामर्श-जिलाधिकारी उमेश मिश्रा

संवाददाता

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जिले में कोरोना वायरस के बढ़ते हुए संक्रमण के दृष्टिगत सभी जन सामान्य का आहवान किया है कि स्वयं एवं अपने परिवार को इस घातक वायरस से सुरक्षित रखने के लिए शत प्रतिशत रूप से कोविड टीकाकरण कराना सुनिश्चित करें तथा घर से बाहर निकलते समय फेस मास्क का अवश्य प्रयोग करें तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर दो गज की दूरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि कोविड वायरस से बचाव का सबसे सशक्त एवं प्रभावी माध्यम टीकाकरण एवं कोविड प्रोटोकाल का शत प्रतिशत रूप से अनुपालन करना ही एक मात्र विकल्प है।

जिलाधिकारी श्री मिश्रा के निर्देशों के अनुपालन में मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 विजय कुमार गोयल ने बताया कोविड-19 से संबंधित एवं अन्य सामान्य बीमारियों के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त करने तथा आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराने के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं प्राईवेट अस्पतालों के डाक्टरों से सम्पर्क कर लाभ अर्जित किया जा सकता है। उन्होंने जिला संयुक्त चिकित्सालय में परामर्श एवं कोविड से संबंधित एवं अन्य सामान्य बीमारियों के बारे में जानकारी तथा आवश्यक परामर्श उपलब्ध कराने वाले चिकित्साधिकारियों के एवं उनके मोबाइल नम्बर की जानकारी देते हुए बताया कि डा0 अरूण कुमार पाण्डेय मुख्य चिकित्सा अधीक्षक 8005192817, डा0 राधेश्याम वर्मा एम0डी0 मेडिसन (फिजीशियन) 8077924763, डा0 राम कुमार एम0बी0बी0एस0 9411904980, डा0 प्रेम प्रकाश एम0बी0बी0एस0 9410047235, डा0 एच0एम0 गुप्ता छाती रोग विशेषज्ञ 9045331719, डा0 राजीव रस्तौगी डी0वी0डी0 9412410101,

प्राईवेट चिकित्सको से कोविड संबंधी जानकारी एवं अन्य रोगों के बारे में परामर्श के लिए डा0 पंकज त्यागी (फिजीशियन एंव शुगर रोग विशेषज्ञ) 9634444294, डा0 सत्यपाल सिंह (फिजीशियन) 9953536342, डा0 अशोक चाहल (फिजीशियन) 8006038038, डा0 नीरज चौधरी (फिजीशियन) 9837034426, डा0 अवधेश वशिष्ठ (छाती रोग विशेषज्ञ) 7466868531, डा0 सिद्धार्थ मित्तल (फिजीशियन) 8958500022, डा0 बीरबल सिंह (फिजीशियन) 9412216866 से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

दूरभाष द्वारा परामर्श लिए जाने के लिए टेलीमेडिसन चिकित्सकों में डा0 यजुवेन्द्र शर्मा (हड्डी रोग विशेषज्ञ) प्राईवेट 9457394963, डा0 सुभाग राणा (ई0एन0टी0 सर्जन) प्राईवेट 9412146222, डा0 प्रकाश (जनरल सर्जन) प्राईवेट 9837033451, डा0 अमित नारायण (हड्डी रोग विशेषज्ञ) प्राईवेट 9873040549, डा0 अरूण कुमार पाण्डेय (एम0एस0 जर्नल सर्जरी) सरकारी 9412079072, डा0 नरेश चन्द्र जौहरी (एम0एस0 जर्नल सर्जरी) सरकारी 9837965879, डा0 राजीव रस्तौगी (डी0वी0डी0) सरकारी 9412410101, डा0 संजय कुमार शंकर (खून की जॉच विशेषज्ञ)सरकारी 9761429021, डा0 बी0आर0 त्यागी (एक्स-रे) फिजियशन, सरकारी 9456202168, डा0 मनोज कुमार सैन, दृष्टिरोग विशेषज्ञ सरकारी, 9412609101, डा0 रजनीश कुमार शर्मा दृष्टिरोग विशेषज्ञ सरकारी, 8400223377, डा0 संजय कुमार हड्डी रोग विशेषज्ञ सरकारी 9837373007, डा0 राघवेन्द्र सिंह हड्डी रोग विशेषज्ञ सरकारी 9927824867 तथा डा0 ओमप्रकाश सिंह दंत रोग विशेषज्ञ सरकारी 9412445225 शामिल हैं।

उन्होंने जानकारी देते हुए यह भी बताया कि कोविड के दृष्टिगत कलैक्ट्रेट परिसर में कोविड कन्ट्रोल रूम स्थापित है, जिस पर जनसमान्य कोविड तथा अन्य बीमारियों से संबंधि परामर्श आदि प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि कन्ट्रोल रूम में तीन दूरभाष नम्बर 01342-262295, 262031, 262296 तथा 262297 संचालित हैं, जिन पर तीन शिफटों में 24×7 कार्यरत चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग के कार्मिकों से सम्पर्क स्थापित किया जा सकता है।

निःशुल्क खाद्यान्न वितरण की तिथि 17 जनवरी तक बढ़ायी गयी

प्रयागराज/मेजा

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि माह जनवरी, 2022 के प्रथम चरण में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को दिनांक 06.01.2022 से निःशुल्क खाद्यान्न का वितरण ई-पॉस मशींन के माध्यम से उचित दर विक्रेताओं द्वारा वितरण किया जा रहा है। वितरण की अन्तिम तिथि 15.01.2022 निर्धारित है। इस अवधि में अन्त्योदय कार्डधारकों को प्रतिकार्ड 20 किग्रा0 गेहूँ व 15 किग्रा0 चावल एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारक को प्रति 03 किग्रा0 गेहूँ व 02 किग्रा0 चावल निःशुल्क वितरित किया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त अन्त्योदय व पात्र गृहस्थी कार्डधारक को 01 किग्रा आयोडाइज्ड नमक, 01 किग्रा0 साबुत चना तथा 01 ली0 रिफाइण्ड सोयाबीन ऑयल का निःशुल्क वितरण किया जा रहा है। आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से खाद्यान्न प्राप्त न होने की स्थिति में कार्डधारक

मोबाइल ओ0टी0पी0 वेरीफिकेशन के माध्यम से वितरण की अन्तिम तिथि अर्थात 15.01.2022 निर्धारित है।

आयुक्त, खाद्य तथा रसद विभाग, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा वितरण अवधि का विस्तार करते हुए अन्तिम तिथि 17.01.2022 निर्धारित की गयी है। विस्तारित अवधि में कार्डधारक आधार प्रमाणीकरण के माध्यम से गेहूँ, चावल, खाद्य तेल, नमक व चना उचित दर दुकान से प्राप्त कर सकते है। मोबाईल ओ0टी0पी0 के माध्यम से वितरण की तिथि पूर्व निर्धारित 15.01.2022 के साथ-साथ 17.01.2022 को भी उपलब्ध रहेगी। उन्होने यह भी बताया है कि राशनकार्ड धारकों को पोर्टेबिलिटी के अन्तर्गत उक्तानुसार पांचो सामग्री एक साथ प्राप्त करने की सुविधा उचित दर विक्रेता के स्टॉक में उपरोक्त वस्तुओं की उपलब्धता की सीमा तक अनुमन्य रहेगी। इस हेतु पृथक से पोर्टेबिलिटी चालान जनरेट नहीं किये जायेंगे। वितरण से सम्बन्धित किसी भी समस्या के समाधान हेतु संपर्क कर सकते हैं।

विशेष कोविड टीकाकरण अभियान

जिले को शत प्रतिशत रूप वैक्सिनेटेड करने का किया जाएगा प्रयास, जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने उक्त अभियान को सफल बनाने में जिले के सभी संभ्रांत व्यक्तियों विशेष रूप से धर्मगुरूओं से धार्मिक स्थलों से आमजन को शत प्रतिशत रूप से टीकाकरण करने की अपील तथा सहयोग करने का किया आहवान

संवाददाता
बिजनौर

जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कल 14 जनवरी ,22 को जिले में वृहद्व स्तर पर कोविड टीकाकरण अभियान संचालित किया जाएगा जिसमें ऐसे व्यक्ति जो किसी कारणवश वैक्सिनेशन से वंचित रह गए हैं, वे शत प्रतिशत रूप से टीकाकरण करा लें ताकि वह स्वयं एवं उनका परिवार कोरोना वायरस से सुरक्षित रहे। उन्होंने इस अवसर पर जिले के सभी संभ्रांत व्यक्तियों विशेष रूप से धर्मगुरूओं का आहवान किया है कि वे अपने-अपने धार्मिक स्थलों से आमजन को शत प्रतिशत रूप से टीकाकरण करने की अपील करें तथा इस पुण्य कार्य में अपना महत्वपूर्ण योगदान भी उपलब्ध कराएं ताकि जिले को पूर्ण रूप से वेक्सिनेटेड करा कर कोरोना मुक्त बनाया जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि कल जिले की विभिन्न मस्जिदों में पूर्वाहन समय में लगभग 200 टीमें जाकर कोविड टीकाकरण का कार्य करेंगी ताकि कोई भी व्यक्ति, जिसका अभी तक टीकाकरण नहीं हो सका है, उसका टीकाकरण किया जा सके।

पुलिस ने मास्क बांटकर कोरोना के प्रति किया जागरूक

संवाददाता

स्योहारा। एक तरफ कोरोना ओमिक्रोन का रूप लेकर तेज़ी से फेल रहा है तो वहीं आमजन इसके प्रति बिल्कुल लापरवाही करते हुए बिना मास्क घूम रहे हैं जिनको जागरूक करते हुए थानाध्यक्ष आशीष कुमार तोमर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सड़को पर घूम रहे लोगो को मास्क बांटे और उनको वायरस के प्रति जागरूक करते हुए उनसे सचेत रहने की अपील की।इस मौके पर एसआई अशोक कुमार,हेड का. पुरषोत्तम यादव,का.सोमपाल.हेड का.शाहनवाज खान,का.उमेश.का.कपिल कुमार,का.ब्रजेश,का.शमीम खान आदि मौजूद रहे।

माघ मेला में मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर लाखों श्रद्धालुओं ने पावन संगम में लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला में मकर संक्रान्ति के पावन पर्व पर आज लाखों श्रद्धालुओं ने पावन संगम में आस्था की डुबकी लगायी। प्रातःकाल से ही श्रद्धालुओं के स्नान का सिलसिला प्रारम्भ हो गया जो अभी तक जारी है। इस दौरान श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों के सुगम आवागमन व सुरक्षित स्नान सम्पन्न कराने हेतु व्यापक पुलिस प्रबन्ध किये गये हैं। इस हेतु सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर नागरिक पुलिस यातायात पुलिस, घुड़सवार पुलिस, महिला पुलिसकर्मी, अग्निशमन दल, पीएसी के जवान, एटीएस कमाण्डो व्यवस्थापित किये गये हैं। इसके साथ ही संगम में मोटर बोट तथा प्रशिक्षित गोताखोरों की नियुक्त कर स्नानार्थियों की सुरक्षा हेतु कड़े प्रबन्ध किये गये हैं। 'स्टीमर' के माध्यम से संगम क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा श्रद्धालुओं से अनुरोध किया गया कि सावधानीपूर्वक स्नान करें किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु को हांथ न लगाये। मेला में आने वाले स्नानार्थियों को आवागमन में कोई असुविधा न हो इस हेतु मेला क्षेत्र में 05 स्थानों पर 'पार्किंग' की समुचित व्यवस्था की गई तथा यह प्रयास किया गया कि श्रद्धालुओं को न्यूनतम पैदल चलना पड़े। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक माघ मेला डा0 राजीव नारायण मिश्र, पुलिस अधीक्षक प्रयागराज अजय कुमार पाण्डेय, लगातार मेला क्षेत्र में रहकर सभी व्यवस्थाये पूर्ण करा रहे हैं। मेला में आये हुये समस्त श्रद्धालुओं से 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से अनुरोध किया जाता रहा है कि 'कोविड़-19' का संक्रमण रोकने व बचाव हेतु 'कोविड प्रोटोकाल' का पालन अवश्य करें। इस दौरान 'कोविड-19 गाइडलाइन्स' का पालन न करने वाले 117 व्यक्तियों के विरूद्ध चालान व शमन की भी कार्यवाही की गयी। पुलिस अधीक्षक माघ मेला द्वारा माघ मेला क्षेत्र में लगे समस्त पुलिस कर्मियों को भ्रमण के दौरान ड्यूटी की कुशलता लेते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया। मेला क्षेत्र में 'सीसीटीवी कैमरों' व 'ड्रोन कैमरों' के द्वारा चप्पे चप्पे पर नजर रखते हुये सतर्कता बरती गई। सकुशल व सुरक्षित स्नान के लिये पुलिस व प्रशासन के आला अफसर मेला क्षेत्र में निरन्तर डटे हुये हैं।

उल्लेखनीय है कि मकर संक्रान्ति का पर्व कल उदिया तिथि होने के कारण, स्नान इसी प्रकार कल दिनांक 15.01.2022 तक जारी रहेगा।

मलाइका अरोड़ा संग ब्रेकअप की खबरों पर अर्जुन कपूर ने तोड़ी चुप्पी, कह दी ये बात

मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) और अर्जुन कपूर (Arjun Kapoor) के ब्रेकअप की खबरें सोशल मीडिया पर लगातार जोर पकड़ रही थीं. लेकिन अब इन खबरों पर अर्जुन कपूर ने चुप्पी तोड़ी है. अर्जुन कपूर का कहना है कि उनके और मलाइका के बीच सबकुछ ठीक है ये सब अफवाहे हैं.

तस्वीर शेयर कर ब्रेकअप की खबरों पर लगाया ब्रेक

अर्जुन कपूर ने ब्रेकअप की खबरों के बीच अपनी और मलाइका अरोड़ा की एक तस्वीर शेयर की है. तस्वीर शेयर कर कैप्शन में लिखा- इन अफवाहों की कोई भी जगह नहीं है....सुरक्षित रहिए. सभी के अच्छे रहने की दुआ करता हूं.सभी को प्यार.

इस वजह से उड़ी ब्रेकअप की खबरें

हमारी सहयोगी वेबसाइट बॉलीवुड लाइफ के अनुसार पिछले 6 दिनों से मलाइका अरोड़ा (Malaika Arora) अपने घर से बाहर नहीं निकली हैं. वह अर्जुन कपूर से रिश्ता टूटने के बाद काफी दुखी हैं. मलाइका (Malaika Arora) ब्रेकअप के बाद अकेले रहना चाहती हैं. इसलिए उन्होंने घर में खुद को कैद कर लिया है.

मलाइका ने भी किया पोस्ट पर कमेंट

अर्जुन कपूर के इस पोस्ट पर मलाइका ने भी कमेंट किया. मलाइका ने अर्जुन के पोस्ट पर दिल वाला इमोजी बनाया. वहीं एक्ट्रेस तारा सुतारिया ने लिखा- हां, तुम लोग. इसके साथ ही दिल वाला इमोजी बनाया.

मलाइका से मिलने नहीं जाते अर्जुन

कुछ दिनों पहले अर्जुन कपूर (Arjun Kapoor) बहन रिया कपूर के घर गए थे जहां पर उन्होंने सभी के साथ डिनर किया. रिया और मलाइका के घर आस पास में ही है. इसके बावजूद अर्जुन कपूर, मलाइका (Malaika Arora) से मिलने के लिए उनके घर नहीं गए. मलाइका अक्सर अर्जुन कपूर के साथ फैमिली डिनर पर जाती थीं लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ.

4 साल से एक दूसरे को कर रहे डेट

अर्जुन कपूर और मलाइका अरोड़ा करीब 4 साल से लंबे एक दूसरे को डेट कर रहे हैं. ये दोनों अक्सर सोशल मीडिया पर एक दूसरे के साथ की तस्वीरें शेयर करते तो कभी रेस्टोरेंट और पार्टी में एक साथ नजर आते हैं.

पूनम पांडे ने टूटी शादी पर बयां किया दुख, लिया ये कठिन फैसला

सितंबर 2020 में अपने प्रेमी सैम बॉम्बे (Sam Bombay) से शादी करने वाली पूनम पांडे (Poonam Pandey) शादी को लेकर मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. उन्होंने अपने पति के खिलाफ शारीरिक उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराई थी. अब नशा फेम एक्ट्रेस ने सैम से अलग होने के बारे में खुलासा किया और खुलासा किया कि उसका इलाज चल रहा है.

5 साल तक नहीं करेंगी डेट

हाल ही में स्पॉटबॉय से बातचीत में पूनम पांडे (Poonam Pandey) ने कहा, मैं बहुत अच्छा कर रही हूं. मैं फिलहाल सैम बॉम्बे के बारे में ज्यादा बात नहीं करना चाहती क्योंकि मैं इस समय एक ट्रीटमेंट ले रही हूं. मैं एक थैरेपिस्ट के पास जा रही हूं. जब उनसे पूछा कि क्या वह आगे बढ़ेंगी और किसी और को डेट करेंगी, तो उन्होंने कहा, नहीं, बिल्कुल भी नहीं. शायद अब से पांच साल बाद, लेकिन फिलहाल, मैं निश्चित रूप से अब किसी को डेट करने का नहीं सोच सकती.

ऑरेंज टॉप में आईं थीं नजर

हाल ही में लोगों ने पूनम की एक झलक पाने के लिए मीडिया के कैमरों ने उनका पीछा किया. पूनम को एक रेस्टोरेंट के बाहर ऑरेंज कलर के क्रॉप टॉप में देखा गया था. शटरबग्स के लिए पोज देते हुए पूनम ने रिवीलिंग टॉप में अपना फिगर दिखाया.

पति पर लगे इतने केस

बता दें कि पूनम ने अपने पति सैम बॉम्बे के खिलाफ 8 नवंबर, 2021 को मारपीट और परेशान करने का आरोप लगाते हुए एक स्न्नढ्ढक्रदर्ज कराई है. इससे पहले, अपनी शादी के कुछ महीने बाद, पूनम ने सैम बॉम्बे के खिलाफ शारीरिक प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी. उन पर आईपीसी की धारा 323, 354, 504 और 506 (द्वद्ब) के तहत आरोप लगाए गए थे. इस साल पूनम और सैम एक बार फिर चर्चा में थे. पूनम ने सैम के खिलाफ एक और शिकायत दर्ज की, क्योंकि पहले सैम ने उनपर हमला किया था और उनके सिर, आंख और कान पर कुछ चोटें आईं. सैम को मुंबई पुलिस ने नवंबर में गिरफ्तार किया था.

बीच पर साड़ी में ऐसे इठलाईं प्रिया प्रकाश वारियर, Video ने बढ़ाई फैंस की धड़कन!

अपनी आंखों से शरारत करके लाखों दिलों की धड़कन बढ़ाने वाली प्रिया प्रकाश वारियर (Priya Prakash Varrier) की हर अदा लोगों को कायल कर देती हैं. लेकिन अब प्रिया ने एक बार फिर से लोगों पर अपना जादू चलाने की ठानी है. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक वीडियो शेयर किया है जिसमें वो काली साड़ी पहन कर इठलाती नजर आ रही हैं.

बीच किनारे दिखाई अदाएं

इस वीडियो में प्रिया प्रकाश (Priya Prakash Varrier) समंदर किनारे अपनी कातिलाना अदाओं का जादू दिखाती दिखीं. वीडियो में एक्ट्रेस का ना केवल लुक लोगों को मदहोश कर रहा है बल्कि उनकी हर अदा लोगों को दीवाना बना रही है.

पहनी काली साड़ी

लुक की बात करें तो वीडियो में प्रिया प्रकाश वारियर काले रंग की साड़ी में कहर ढा रही हैं. वीडियो में एक्ट्रेस लाइट मेकअप के साथ ओपन हेयर की हुई हैं. जिसमें वो बीच पर घूमते नजर आईं. कभी वो बीच पर दौड़ते दिखीं, कभी साड़ी के पल्लू को लहराते तो कभी समंदर की लहरों संग मस्ती करते नजर आईं.

खुद शेयर किया वीडियो

एक्ट्रेस ने इस वीडियो को खुद अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है. वीडियो को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा- सनसेट और रेत..

फैंस कर रहे कमेंट्स

एक्ट्रेस के इस वीडियो को फैंस भी खूब पसंद कर रहे हैं. एक यूजर ने कमेंट में लिखा- इसकी कोई तुलना ही नहीं है. दूसरे यूजर ने लिखा- आप काफी प्यारी हैं. जबकि तीसरे यूजर ने लिखा- इस वीडियो ने मेरा दिन बना दिया. इसके अलावा कई और फैंस भी एक्ट्रेस की तारीफ कर हार्ट और फायर वाला इमोजी वीडियो पर शेयर कर रहे हैं.

मौनी रॉय इस दिन बनेंगी दुल्हन, बॉयफ्रेंड संग गोवा में लेंगी 7 फेरे

टीवी से बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री तक का सफर तय करने वाली खूबसूरत एक्ट्रेस मौनी रॉय जल्द ही दुल्हनियां (Mouni Roy Wedding) बनने वाली हैं. जी हां! हम उनकी किसी फिल्म के रोल की बात नहीं कर रहे बल्कि वह सच में अपने बॉयफ्रेंड के संग सात फेरे लेने जा रही हैं. वह भी इसी जनवरी महीने में. इस कपल ने शादी के लिए गोवा में एक होटल भी बुक कर दिया है. जानिए कौन है मौनी के सपनों का राजकुमार और उनकी शादी की तैयारियों के बारे में.

27 को होगी रॉयल वेडिंग

साल 2022 में लोगों को बॉलीवुड के कई सितारों की शादी का इंतजार है. इसकी शुरुआत मौनी रॉय की वेडिंग से होने जा रही है. ताजा जानकारी के अनुसार अदाकारा मौनी रॉय आने वाली 27 तारीख को अपने बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड सूरज नांबियर के साथ 7 फेरे लेंगी. ये शादी गोवा के एक 5 स्टार होटल में होने वाली है.

बंट चुके हैं इनविटेशन कार्ड

हिन्दुस्तान टाइम्स से बातचीत में एक सूत्र ने कहा है कि मौनी रॉय और सूरज नांबियर ने शादी के लिए गोवा में एक 5 स्टार होटल बुक कर लिया है और गेस्ट इनविटेशन कार्ड भेज दिए गए हैं. सूत्र ने यह भी बताया कि मौनी रॉय और सूरज ने अपने मेहमानों को न्योता के साथ यह हिदायत भी दी है कि वो इस खबर को मीडिया में लीक ना करें और वेडिंग डे तक चुप रहें.

कौन है मौनी रॉय के सपनों का राजकुमार

अदाकारा मौनी रॉय के होने वाले पति सूरज दुबई में रहते हैं. वो एक एन्वेस्टमेंट बैंकर हैं. सूरज मूल रूप से भारत के ही रहने वाले हैं. मौनी और सूरज की मुलाकात कुछ वक्त पहले ही हुई थी, जिसके बाद इनके बीच डेटिंग का सिलसिला शुरू हो गया. लम्बे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद इन्होंने शादी करने का फैसला किया है.

आपके घर का दर्पण बदल सकता है आपकी किस्मत

अगर आप वास्तु शास्त्र की बात करें तो इसमें सबसे शक्तिशाली चीजें में एक दर्पण को माना गया है। इस बात का अंदाजा आप इसी से लगाया जा सकता है कि 'दर्पण' वास्तु शास्त्र में किसी भी प्रकार के वास्तु-दोष निवारण के लिए काफी उपयोगी माना गया है। दर्पण में अप्रत्याशित सौभाग्य, धन-संपत्ति, और घर में हर्षोल्लास लाने की क्षमता होती है। लेकिन यह भी माना जाता है कि अगर इसका प्रयोग घर के सही स्थान पर नहीं किया गया है तो यह नकारात्मकता को भी उतनी ही शक्ति से बढ़ाता है। दर्पण जितना भाग्य को आकर्षित करता है उतना ही दुर्भाग्य को भी। आइए आपको बतातें है इसकी सावधानियों के बारे में-

■ तिजोरी के सम्मुख रखा दर्पण धन में दिन दुगुनी, रात चौगुनी वृद्धि करता है।

■ घर में खाने की डाइनिंग टेबल के सम्मुख रखा दर्पण घर में अखंड धन-धान्य का कारक होता है।

■ प्रयास करें कि दर्पण जिस भी दीवार पर लगायें, फर्श से उसकी ऊंचाई 4 से 5 फीट हो।

■ घर में यथासंभव चौकोर या आयताकार शीशा ही लगायें।

■ दर्पण को घर की उत्तर और पूर्व दिशा की दीवार पे लगाना सबसे उत्तम रहता है।

■ अपने ड्रेसिंग टेबल में एक बड़ा शीशा लगाये और इसे अपने बिस्तर के साइड में लगाये ताकि सोते समय आप शीशे में ना दिखें। ऐसा करना शुभ माना जाता है।

■ यदि आपके घर का कोई कोना कटा हुआ है तो उस दिशा में शीशा लगा दें, इससे उस कोने का वास्तु दोष समाप्त हो जायेगा।

■ घर के खिड़की और दरवाजों के शीशे कभी भी पारदर्शक नहीं होने चाहियें।

■ कदापि भी दो दर्पण एक दुसरे के सम्मुख नहीं लगाने चाहियें, इससे उर्जा अनियंत्रित होती है।

बाथरूम के दरवाजे के सामने न लगाएं आईना

फेंगशुई विशेषज्ञों के मुताबिक घर में गलत दिशा में बाथरूम होने पर बनते काम बिगड़ते हैं और तरक्की के रास्ते में रुकावटें आती हैं। इनकी राय में घर के केंद्र में बाथरूम स्थापित नहीं किया जाना चाहिए। वहीं ईशान कोण (उत्तर-पूर्व कोना) पर बाथरूम बना दिया जाए, तो बच्चों की पढ़ाई पर प्रभाव पड़ता है। साथ ही, घर में रहने वाले जातक को मानसिक अशांति रहती है।

इसलिए फेंगशुई के तहत ईशान कोण पर बाथरूम बनाना पूरी तरह से वर्जित माना गया है। घर के बाथरूम के लिए उत्तम दिशाएं दक्षिण, पश्चिम और पूर्व मानी गई हैं। यदि आपके बाथरूम में भी किसी तरह का फेंगशुई दोष है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं, क्योंकि फेंगशुई में इसके उपाय मौजूद हैं। बाथरूम को फेंगशुई दोष से मुक्त रखने के लिए कुछ छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखना जरूरी होगा, जैसे-

■ नहाने जाते वक्त हमारे साथ-साथ कुछ नकारात्मक ऊर्जाएं भी बाथरूम में प्रवेश कर जाती हैं। ऐसे में दरवाजे के ठीक सामने दर्पण लगा हुआ हो, तो यह ऊर्जा परावर्तित होकर पुनः घर में लौट आती हैं।

■ हर 7-10 दिनों के अंदर घर का बाथरूम साफ करें।

■ फेंगशुई के मुताबिक बाथरूम में नीले रंग की बाल्टी रखना शुभ होता है। वैसे किसी और रंग की बाल्टियां पहले से घर में मौजूद हैं, तो भी कोई बात नहीं, आप इन्हें भी उपयोग में ला सकते हैं। बाथरूम में रखी बाल्टी हमेशा पानी से भरी रहे, इस बात का ख्याल रखें। यह उपाय आपके जीवन में खुशियों के स्थायित्व

को बनाए रखने में मददगार होगा।

■ बाथरूम में इस्तेमाल की जाने वाली चीजें जैसे- साबुन, शैंपू, स्क्रब आदि खुशबूदार और तौलिया, साबुन, ब्रश होल्डर खुशनुमा रंग के चुनें।

■ उत्तर या पश्चिम दिशा में कमोड लगाना सेहत के लिहाज से ठीक माना जाता है। कमोड का ढक्कन हमेशा बंद रखें। यह कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को फैलने से रोकने में मदद करेगा।

बाथरूम में कहां लगाए आईना

जीवन में सुख और शान्ति का नाम सुनते ही चेहरे पर स्माइल आ जाती है। आखिर कौन ऐसा होगा जिसे यह सब नहीं चाहिए होगा। फेंगशुई के हिसाब से पानी एक बहुत महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। इस वजह से अगर घर में देखा जाए तो पानी का मुय स्थान बाथरूम में होता है। इसलिए अगर आपको हर प्रकार की निगेटिव फीलिंग से मुक्ति चाहिए तो फेंगशुई के ये कुछ टिप्स अपनाइए।

शीशा : बाथरूम में शीशा उस जगह पर लगाएं जिस जगह पर आपको उसे देखने पर एक पॉजिटिव एनर्जी मिल रही हो। शीशे में पानी दिखना बहुत जरुरी है, नहीं तो निगेटिव एनर्जी वास करेगी।

शेष तत्व : ठीक प्रकार से फेंग शुई का लाभ लेने के लिये बाथरूम में हवा, पानी और जमीन के तत्व का बैलेंस होना बहुत जरुरी है। ऐसा करना बहुत आसान है, अपने बाथरूम में एक फूल का गमला रख दें, जिससे आपको उस गमले की मिट्टी दिखती रहेगी।

फुहारा पॉजिटिव एनर्जी का भंडार : फुहारे से निकलता पानी आपको पॉजिटिव एनर्जी से भर देंगे। बाथरूम में फुहारा जगह को सकारात्मक वाइस के साथ भर देंगे।

रोशनी : दरवाजे और खिड़कियों से रोशनी को आने दें। जब भी आप बाथरूम में ना हों, इन्हें हमेशा खोल कर रखें। साथ ही अगर रात को आप इसमें मोमबत्तियां जला देंगे तो और भी अच्छा होगा।

क्रिस्टल बॉल रखें : घर को पूरी तरह से बैलेंस करने के लिए एक क्रिस्टल बॉल को रखें। जब कोई उपाय ना कर रहा हो तो क्रिस्टल बॉल सारे नकारात्मक प्रभावों को दूर कर देता है। इसे बाथरूम के बीच में रखने से यह ज्यादा प्रभावी होता है।

हमेशा सफाई रखें : अगर आप चाहते हैं कि फेंगशुई सही तरीके से कार्य करे तो बाथरूम को हमेशा साफ-सुथरा बनाए रखें। बाथरूम में कभी गंदगी को इकठ्ठा ना होने दें। साबुनदानी को साफ रखें।

अगर बंगाल की संस्कृति देखनी है तो आइए बारासात..

आमतौर पर बंगाल का नाम सुनते ही आपके जहन में सबसे पहले क्या आता है? बंगाली रसगुल्ला, बंगाल टाइगर या फिर कोई बंगाली कलाकार। चलिए, हम आपको बंगाली संस्कृति की एक अलग पहचान बताते हैं। बारासात, अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निकट तथा देश की राजधानी कोलकाता के करीब स्थित, बंगाली संस्कृति का एक केंद्र है, जहां दुर्गा और काली पूजा के दौरान हलचल रहती है, यह सौहार्दपूर्ण हिन्दू मुस्लिम समुदाय के लिए एक आदर्श स्थान है, स्थानीय मूल्यों का उपदेश देते आश्रमों से भरा है, इस में कोई शक नहीं कि बारासात पर्यटन ने कोलकाता के स्थानीय लोगों का और दुनिया भर के पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है।

बारासात एक ऐसी जगह है, जहां जाकर आपको बंगाल की एक नई परिभाषा देखने को मिलेगी। बारासात में न सिर्फ आपको घूमने-फिरने की खूबसूरत जगह मिलेगी, बल्कि यहां के जायके भी आपको बेहद खास लगेंगे।

बारासात की सैर और यहां की स्थानीय संस्कृति बारासात शहर तक पहुंचना बहुत आसान है और यहां के कई स्थानीय लोग इसे बड़े कोलकाता का एक हिस्सा मानते हैं। हैरत की बात है, कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशियों के आप्रवास के बावजूद बारासात के स्थानीय लोगों एक बेहतर सांस्कृतिक माहौल बनाने में कामयाब रहे हैं। यह हज़रत इकदिल शाह का समाधि स्थान है, वे एक मुस्लिम विद्वान थे, तथा यह स्थानीय मुस्लिम समुदाय के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। क्या बेहतर है? हिंदू और मुसलमान समान रुप से संत हज़रत इकदिल शाह की स्मृति में आयोजित होने वाले वार्षिक मेले में भाग लेने आते हैं।

बंगाली संस्कृति की झलक

बारासात बंगाली संस्कृति का एक केंद्र है, जहां दुर्गा और काली पूजा के दौरान काफी रौनक रहती है, बारासात पर्यटन ने कोलकाता के स्थानीय लोगों का और दुनिया भर के पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। दुर्गा पूजा के दौरान आपको यहां कई विदेशी देखने को मिलेंगे।

देखना न भूलें ये खास जगह

हजरत इकदिल शाह की समाधि यहां हिन्दू-मुस्लिम के संगम को दर्शाती है। हजरत इकदिल की याद में यहां हर साल मेला भी लगता है. इसके अलावा यहां पुरानी इमारतें और मंदिर भी बंगाल के इतिहास को बयां करते हैं। यहां आकर आप ऐसी कई चीजें देखने को मिलेगी, जो आपको अपने शहर में नहीं मिल सकती। आप यहां कपास बुनाई के छोटे कुटीर उद्योग भी देख सकते हैं, जो बारासात नगरी का प्रमुख उत्पादक है।

कैसे पहुंचें- आप कोलकत्ता जाने वाली किसी ट्रेन या फ्लाइट से यहां आ सकते हैं। कोलकत्ता के बाद आप किसी टैक्सी या बस से यहां पहुंच सकते हैं।

कहां ठहरें : बारासात में कई गेस्ट हाउस हैं, लेकिन अगर आपको लक्जरी होटल चाहिए, तो आप कोलकाता में ठहर कर दिन के समय यहां घूमने आ सकते हैं।

क्या है खास: अगर आप बारासात आ रहे हैं, तो यहां घूमने-फिरने के साथ यहां के जायकों को न भूलें। आपको यहां स्ट्रीट फूड के बेहतरीन जायके चखने को मिलेंगे।

घूमने का बेस्ट टाइमः आप यहां नवम्बर से मार्च महीने में आ सकते हैं। मौसम खुशनुमा रहता है।

कविता

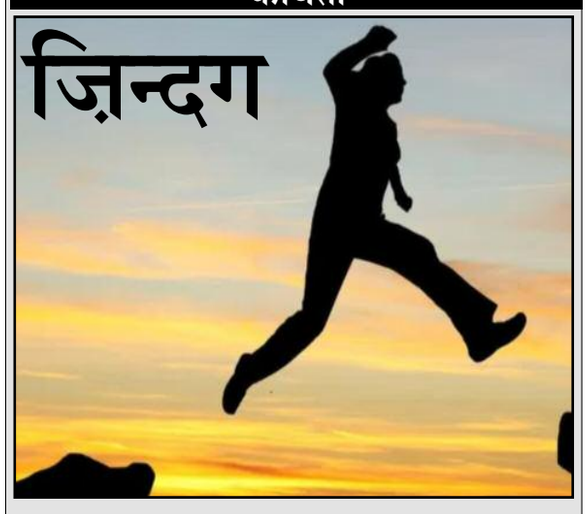

धूप की मानिंद ये खसकती ज़िन्दगी
धूप होती है जहाँ छाया वहीं है
ज़िन्दगी
ना पकड़ रख पाओगे ये बंद मुट्ठी रेत की
जितना जकड़ोगे उतनी बिखर जाएगी ज़िन्दगी
ज्वार भाटे की तरह उठती लहर ये ज़िन्दगी
कौन जाने किस लहर में डूब जाए ज़िन्दगी
भीड़ में चलकरके देखा और अकेले भी यहाँ
कौन जाने किस डगर पर छूट जाए ज़िन्दगी
ना करो तन्हा कमल को छीन कर यारो इसे
जी रहे है हम यहां उनकी यादों के सहारे ज़िन्दगी

देसी पराठे खाने है तो चांदनी चौक

आज हम आपको बताते है दिल्ली की सबसे पुरानी मार्केट चांदनी चौक.. और यहां की पराठेवाली गली सदियों पुरानी है। जब मैंने नयी सड़क से कट लेकर पराठे वाली गली के अंदर गई तो बस गर्म तेल की गंध और भुने मसालों की खुशबू मुझे अपनी ओर खींचने लगी.. दुकानदारों का तेज आवाज़ में चिखना और बिजी गलियों में मची उथल-पुथल। यह नज़ारा था पुरानी दिल्ली के पराठे वाली गली का।

6 पीढ़ियों ने संजोया स्वाद

सन 1872 में पंडित गया प्रसाद परांठावाला से चांदनी चौक में पराठे वाली गली की शुरूआत हुई थी। पिछली 6 पीढ़ियों से यहां पंराठेवाली दुकान को उनकी फैमिली चला रही है। वैसे आपको ये भी बता दें की इस गली का नाम सन 1911 में बदलकर छोटा दरीबा हो चुका है लेकिन आज भी ये गली परांठा वाली गली के नाम से जानी जाती है।

शुद्ध शाकाहारी पंराठे

यहां आज भी उसी पुरानी तरह से शुद्ध शाकाहारी पंराठे बनाए जाते हैं जिसमें प्याज और लहसुन तक नहीं डाला जाता.. वजह है कि इन दुकानों को पंडित बिरादरी के लोगों ने खोला था और तब से उन्ही के खानदान इस परंपरा को उन्ही की तरह आगे बढ़ा रहे हैं. यहां पर ब्राह्मीण तौर-तरीकों से खाना बनाया जाता है। पराठों को और स्वादिष्ट बनाने के लिए उसमें काजू, बादाम जैसे सूखे मेवे भी डाले जाते हैं। यहां पर आपको पराठे की तरह-तरह की कई वरायटि मिलेंगी।

पराठे ही पराठे

मिक्स वेज पराठे, रबड़ी, खोया पराठा, गोभी पराठा, परत पराठा जैसे कई तरह के पराठे यहां पर आपको खाने के लिए मिलते हैं। यहां पराठे को रायते और सिर्फ अचार के साथ ही serve नहीं किया जाता बल्कि यहां पर आपको इनके साथ इमली की चटनी, धनिया-पुदीने की चटनी, सब्जियों का मिक्स अचार, आलू-पनीर की सब्जी, आलू मेथी की सब्जी, और सीताफल की सब्जी भी परोसा जाता है।

यहां पर जो पराठे बनाए जाते हैं उन्हे खाने से पहले आप कम तेल घी की उम्मीद बिल्कुल भी ना रखें। क्योंकि यहां पर घी में परांठे को डीप फ्राई किया जाता है। यकीन मानिए इतना तला भुना खाने के बाद भी आपका मन और खाने का करता है। पेट भले ही भर जाए लेकिन इन परांठों के स्वाद की भूख खत्म नहीं होती। अगर आप कभी चांदनी चौक घूमने जा रहे है या आप दिल्ली में हैं और आपका कुछ अच्छा खाने का मन कर रहा है तो आपको एक बार तो यहां आकर इस गली में पराठे जरूर खाने चाहिए। ऐसा स्वाद आपको किसी बड़े महंगे रेस्टोरेंट और होटल में भी नहीं मिलेगा। आपको आज भी यहां पर पुराने भारत की झलक ही दिखेगी। खाने के जायके से लेकर यहां के लोगों के व्यवहार तक आपको सब अपनी तरफ खींचेंगें।

परांठेवाली गली के स्पेशल मेहमान

अज़ादी के बाद भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और विजया लक्ष्मी पंडित के साथ यहां एक बार पराठे खाने के लिए आए थे। उनकी ये तस्वीर आज भी इस पराठे वाली गली में दुकान में लगी हुई है। देश के पहले प्रधानमंत्री से लेकर बॉलीवुड के सुपरस्टार रनबीर कपूर तक सब यहां पर ये पराठे खा चुके हैं। इनके स्वाद की चर्चा इतनी दूर-दूर तक है कि लोग यहां एक बार पराठे खाने के बाद जिससे भी मिलते हैं उससे इनकी तारीफ जरूर करते हैं। ऐसे ही ये दुकाने यहां पर सदियों से मशहूर नही है। इनके स्वाद में तब से लेकर अब तक कोई अंतर भी नहीं आया है।

लगातार असफलता के बाद पुजारा और रहाणे के लिए मुश्किल होगा टीम में बने रहना

एजेंसी ■ नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लगातार विफलता के बाद कुछ दिन पहले अनुभवी भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे सोशल मीडिया पर पुराने (पुजारा और रहाणे के नाम से मिल कर बना) हैशटैग के साथ ट्रेंड कर रहे थे। दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर छह पारियों में पांच बार विफल होने के बाद एक बार फिर से सोशल मीडिया पर दोनों के खिलाफ काफी कुछ लिखा जा रहा है।

टीम प्रबंधन लंबे समय से इन बातों को नजरअंदाज कर रहा है लेकिन इस दौरे के बाद उनके लिए भी इन दोनों का बचाव करना मुश्किल होगा। हनुमा विहारी, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल (पिंडली की चोट से उबर रहे है) को अंतिम एकादश से बाहर रखते हुए फरवरी-मार्च में श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में भी अगर इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों को जगह मिली तो यह एक उपहास होगा।

केपटाउन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में जब टीम को इन दोनों बल्लेबाजों से सबसे ज्यादा मदद की जरूरत थी तब वे एक बार फिर से असफल रहे। पुजारा (नौ रन) ने मार्को जेनसन की उठती गेंद लेग साइड में खेलनी चाही लेकिन कीगन पीटरसन ने लेग स्लिप में बड़ी खूबसूरती से उसे कैच कर दिया। इसके बाद रबाडा की उठती गेंद रहाणे के दस्तानों को चूमकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्ताने से लगकर हवा में उछली और डीन एल्गर ने बाकी काम पूरा किया। रहाणे इस पारी में सिर्फ अपना खाता ही खोल सके। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर 22.66 की औसत से सिर्फ 136 रन बनाए जबकि पुजारा का आंकड़ा और भी खराब रहा। उन्होंने इस दौरान 20.66 की औसत से 124 रन बनाए। जब चेतन शर्मा और दूसरे

चयनकर्ता भारत में अगली टेस्ट श्रृंखला के लिए टीम का चयन करेंगे, तो इस बात की पूरी संभावना है कि यह आंकड़े इन खिलाड़ियों को टीम से बाहर का रास्ता दिखाने के लिए काफी होंगे। किसी और से ज्यादा इन दोनों खिलाड़ियों को भी इस बात का अंदाजा होगा कि उनके लिए समय समाप्त हो गया है। भारतीय क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी को लगातार असफल होने के बाद इतने मौके नहीं दिए गए है, जितने कि रहाणे और पुजारा को मिले हैं। रहाणे और पुजारा पिछले दो वर्षों से लगातार असफल हो रहे हैं और उन्हें कभी-कभार ही सफलता मिली है। जबकि होना इसका विपरीत चाहिए था। ऐसा लग रहा था कि टीम प्रबंधन के साथ-साथ चयनकर्ता भी उन्हें सफल होने का भरपूर मौका देने पर तुले हुए हैं। और ए दोनो बार-बार उन्हें गलत साबित कर रहे हैं। शायद यह उचित है कि उन्हें एक ब्रेक (विश्राम) दिया जाए और अन्य विकल्पों पर गौर किया जाए जिससे भारतीय क्रिकेट को फायदा हो। ये दोनों मैच दर मैच एक ही तरीके में आउट होते जा रहे हैं। कई बार ऐसा लगता है कि उन्हें इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं है कि वे बेखौफ होकर आक्रामक तरीके से खेलना चाहते है या रक्षात्मक तरीके से। पुजारा के मामले में उनकी रन बनाने की धीमी गति दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव बना देती है। रहाणे की फुटवर्क में खामी रही है जिस पर वह लंबे समय से सुधार करने में नाकाम रहे है।

एक नजर

खालिन जोशी सिंगापुर इंटरनेशनल में बढ़त पर, संधू तीसरे स्थान पर

सिंगापुर। एशियाई टूर में खिताब जीतने वाले आखिरी भारतीय गोल्फर खालिन जोशी ने अपने दूसरे खिताब के लिए शानदार शुरुआत करते हुए सिंगापुर इंटरनेशनल में गुरुवार को यहां पहले दौर में पांच अंडर 67 का स्कोर बनाकर बढ़त हासिल की। एशियाई टूर में 2018 में पैनासोनिक ओपन के रूप में अपना खिताब जीतने वाले जोशी ने विलियम हैरोल्ड (69) पर दो शॉट की बढ़त बना रखी है। भारत के अजितेश संधू ने दो अंडर 70 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। अभिजीत चढ्ढा (72) संयुक्त नौवें और शुभंकर शर्मा (73) संयुक्त 20वें स्थान पर हैं। ओलंपियन उदयन माने (74) संयुक्त 31वें जबकि राशिद खान और एस चिक्कारंगप्पा (दोनों 75) संयुक्त 45वें स्थान पर हैं।

दूसरी जिंदगी मिलने का शुक्रगुजार हूं: आबिद अली

लाहौर। पाकिस्तान के बल्लेबाज आबिद अली ने एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम (ह्रदय की धमनी से जुड़ी बीमारी) से उबरने को दूसरी जिंदगी मिलने जैसा करार देते हुए कहा कि वह क्रिकेट में वापसी को बेकरार है। आबिद ने पाकिस्तान के नेशनल हाई परफार्मेंस सेंटर में अपना रिहैबिलिटेशन शुरू किया है। कायद-ए-आजम ट्रॉफी में बल्लेबाजी करते हुए सीने में दर्द की शिकायत के बाद 34 वर्षीय खिलाड़ी को एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम से ग्रसित होने का पता चला था। टीम के डॉक्टर उन्हें स्थानीय अस्पताल ले गए जहां उनकी एंजियोप्लास्टी हुई। आबिद ने पीसीबी (पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड) डिजिटल से कहा, जैसे क्रिकेट की दूसरी पारी होती है वैसे ही, अल्लाह ने मुझे दूसरा जीवन दिया है। उन्होंने कहा, मुझे बल्लेबाजी करते समय बेचैनी और सीने में दर्द महसूस होने लगा।जब दर्द तेज हो गया, तो मैंने अपने बल्लेबाजी साथी अजहर अली से भी सलाह ली। इसके बाद अंपायरों की अनुमति से मैंने मैदान के बाहर जाने लगा। लेकिन बाउंड्री के पास पहुंचते हुए मुझे उल्टी होने लगी।

क्रिकेट

कैरेबियाई सरजमीं पर हो रहे अंडर 19 विश्व कप में चमकेंगे भविष्य के सितारे

एजेंसी ■ जॉर्जटाउन

वेस्टइंडीज में शुक्रवार से शुरू हो रहे अंडर 19 विश्व कप में भविष्य के सितारों को अपनी चमक बिखेरने का मौका मिलेगा जबकि चार बार की चैम्पियन भारतीय क्रिकेट टीम एक बार फिर खिताब की प्रबल दावेदार होगी। कोरोना महामारी के बीच पहली बार कैरेबियाई सरजमी पर हो रहे टूर्नामेंट में 16 टीमों को चार समूहों में बांटा गया है। भारत को ग्रुप बी में रखा गया है जबकि आस्ट्रेलिया ग्रुप डी में है। दो साल पहले भारत को हराकर पहली बार अंडर 19 खिताब जीतने वाली बांग्लादेश ग्रुप ए में है। दो बार की विजेता पाकिस्तान और अफगानिस्तान ग्रुप सी में है। वीजा संबंधी मसलों के कारण अफगानिस्तान टीम देर से यहां पहुंची है और अभ्यास मैच खेलने से वंचित रह गई। हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। टूर्नामेंट के बायो बबल का उल्लंघन अभी तक नहीं हुआ है लेकिन पाकिस्तान और जिम्बाब्वे की टीमों में कोरोना संक्रमण के मामले आए हैं। न्यूजीलैंड ने अपने पृथकवास नियमों के कारण टूर्नामेंट से नाम वापिस ले लिया जिसकी जगह स्कॉटलैंड खेल रही है। मेजबान वेस्टइंडीज का सामना पहले दिन आस्ट्रेलिया से होगा जबकि स्कॉटलैंड की टक्कर श्रीलंका से होगी। भारत को पहला मैच शनिवार को दक्षिण अफ्रीका से गयाना में खेलना है।

खिताब के दावेदार :

भारत : रिकॉर्ड चार बार की चैम्पियन भारतीय टीम सबसे प्रबल दावेदार है हालांकि उसके पास पिछली टीमों जैसा आत्मविश्वास नहीं दिख रहा। भारतीय टीम एशिया कप जीतकर दुबई से सीधे यहां आई है।

पांच दिन के कड़े पृथकवास के बाद यश धुल की अगुवाई वाली टीम ने अभ्यास मैच में आस्ट्रेलिया को नौ विकेट से हराया।

सलामी बल्लेबाज हरनूर सिंह, दिल्ली के बल्लेबाज और कप्तान यश, शेख रशीद और तेज गेंदबाज राजवर्धन हंगरगेकर से काफी उम्मीदें होंगी। भारत के पास प्रतिभाओं की कमी नहीं है और यही वजह है कि एक खिलाड़ी को एक ही बार अंडर 19 विश्व कप खेलने का मौका मिलता है।

आस्ट्रेलिया : तीन बार की चैम्पियन आस्ट्रेलिया दूसरी प्रबल दावेदार है। वह आठ बार कम से कम सेमीफाइनल तक जरूर पहुंची है। आखिरी बार 2010 में उसने खिताब जीता था जब टीम में मिशेल मार्श, एडम जाम्पा और जोश हेजलवुड थे। इस बार हरफनमौला कूपर कोनोली टीम के कप्तान है और 2020 में उनहोंने वेस्टइंडीज के खिलाफ एक प्लेआफ मैच में 53 गेंद में 64 रन बनाए थे।

बांग्लादेश : बांग्लादेश ने 2020 में खिताब जीतकर इतिहास रचा और वे उसे दोहराना चाहेंगे। कप्तान रकीबुल हसन दक्षिण अफ्रीका में खिताब जीतने वाली उस टीम के सदस्य थे। पिछले महीने एशिया कप सेमीफाइनल में भारत ने बांग्लादेश को हराया था।

पाकिस्तान : पांच बार फाइनल में पहुंची पाकिस्तान ने 2004 और 2006 में खिताब जीते थे जब सरफराज अहमद, वहाब रियाज और इमाद वसीम टीम का हिस्सा थे।

ऋषभ का आकर्षक शतक, दक्षिण अफ्रीका के सामने 212 रन का लक्ष्य

एजेंसी ■ केपटाउन

ऋषभ पंत ने विषम परिस्थितियों में अपने नैसर्गिक खेल का बेजोड़ नमूना पेश करके नाबाद शतक जमाया जिससे भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन गुरुवार को यहां अपनी दूसरी पारी में 198 रन बनाए। भारत ने इस तरह से दक्षिण अफ्रीका के सामने 212 रन का लक्ष्य रखा है। तीन मैचों की श्रृंखला अभी।-। से बराबरी पर है। भारतीय पारी समाप्त होते ही चाय का विश्राम ले लिया गया। पंत ने 139 गेंदों पर नाबाद 100 रन बनाए जिसमें छह चौके और चार छक्के शामिल हैं। उन्होंने विराट कोहली (143 गेंदों पर 29 रन) के साथ पांचवें विकेट के लिए 94 रन जोड़े जिसमें भारतीय कप्तान का योगदान 15 रन था। भारत के केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक में पहुंचे। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से मार्को जेनसन (36 रन देकर चार) कैगिसो रबाडा (53 रन देकर तीन) और लुंगी एनगिडी (21 रन देकर तीन) सफल गेंदबाज रहे। पंत ने उस समय क्री पर कदम रखा जब भारत चार विकेट पर 58 रन के स्कोर पर संघर्ष कर रहा था। इसके बाद रन बनाने का पूरा जिम्मा पंत ने उठाया। दूसरे टेस्ट में खराब शॉट खेलने के कारण आलोचकों के निशाने पर रहे पंत ने अच्छी गेंदों को सम्मान दिया लेकिन खराब गेंदों को नहीं बख्शा। पंत ने इस पारी में लापरवाह नहीं बल्कि बेपरवाह बल्लेबाजी की है। बाएं हाथ के स्पिनर केशव महाराज पर तीन छक्के और डुआने ओलिवियर की लगातार गेंदों पर छक्का और चौका पंत के सकारात्मक खेल का संकेत हैं। भारत ने सुबह दो विकेट पर 57 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसने 10 मिनट के अंदर चेतेश्वर पुजारा (नौ) और अजिंक्य रहाणे (एक) के विकेट गंवा दिए थे।

इसके बाद कोहली ने संयम और दृढ़ता की प्रतिमूर्ति बनाकर पंत के साथ पहले सत्र में भारत को आगे कोई झटका नहीं लगने दिया। पंत ने दो विकेट जल्दी निकलने के बावजूद अपना नैसर्गिक खेल दिखाया और दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को पूरी तरह से हावी नहीं होने दिया। क ोहली हालांकि दूसरे सत्र में अपनी एकाग्रता बरकरार नहीं रख पाए और आखिर में ढीला शॉट खेलकर अपना विकेट गंवाया। एनगिडी की गेंद ऑफ स्टंप से काफी बाहर जा रही थी लेकिन कोहली ने उसे ड्राइव करने का प्रयास किया और दूसरी स्लिप में ऐडन मार्कराम ने बहुत अच्छी तरह से उसे कैच में बदला। कोहली ने अपने कल के स्कोर में आज 15 रन जोड़े। पंत को इसके बाद दूसरे छोर से सहयोग नहीं मिला। कोहली के पवेलियन लौटने के बाद रविचंद्रन अश्विन (सात) को जीवनदान मिला लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और एनगिडी के अगले शिकार बने। शार्दुल ठाकुर (पांच) ने भी निराश किया और एनगिडी की बाहर जाती गेंद पर विकेट के पीछे कैच दिया। उमेश यादव (शून्य) ने यही काम रबाडा की गेंद पर किया। पंत ने ऐसे में अपने पास अधिक स्ट्राइक रखी और इस बीच उन्हें दो जीवनदान भी मिले। जब मोहम्मद शमी (शून्य) भी आउट हो गए तब पंत ने जेनसन की गेंद पर एक रन लेकर अपना चौथा टेस्ट शतक पूरा किया। वह दक्षिण अफ्रीका में शतक बनाने वाले पहले भारतीय विकेटकीपर हैं। उनका सैकड़ा पूरा होने के बाद जसप्रीत बुमराह (दो) आखिरी विकेट के रूप में पवेलियन लौटे।पंत ने जहां आलोचकों का मुंह बंद किया वहीं रहाणे और पुजारा फिर से असफल रहे। पुजारा ने जेनसन की उठती गेंद लेग साइड में खेलनी चाही लेकिन कीगन पीटरसन ने लेग स्लिप में बड़ी खूबसूरती से उसे कैच कर दिया। इसके बाद रबाडा की उठती गेंद रहाणे के दस्तानों को चूमकर विकेटकीपर काइल वेरेन के दस्ताने से लगकर हवा में उछली और डीन एल्गर ने बाकी काम पूरा किया।

भारत से हार के बावजूद आस्ट्रेलिया को अच्छे प्रदर्शन का यकीन

एजेंसी ■ जॉर्जटाउन

भारत के हाथों अंडर 19 विश्व कप के अभ्यास मैच में शर्मनाक हार के बावजूद आस्ट्रेलिया के कप्तान कूपर कोनोली को यकीन है कि उनकी टीम टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करेगी। टूर्नामेंट 14 जनवरी से पांच फरवरी तक वेस्टइंडीज में खेला जाएगा। भारतीय टीम ने आस्ट्रेलिया को अभ्यास मैच में नौ विकेट से हराया। दो साल पहले अपनी मेजबानी में टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंची आस्ट्रेलियाई टीम के सदस्य रहे कोनोली ने कहा , हमारी तैयारी अच्छी है। भारत के खिलाफ हार खतरे की घंटी रही लेकिन हम पहले मैच के लिए अच्छी तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा , हमें वेस्टइंडीज को हराकर अच्छी शुरूआत करनी होगी। पिछले विश्व कप से ही हमारा लक्ष्य इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन का रहा है। गत चैम्पियन बांग्लादेश ने अभ्यास मैच में जिम्बाब्वे को हराया। अब उन्हें रविवार को इंग्लैंड से ग्रुप ए का पहला मैच खेलना है।

कप्तान रकीबुल हसन ने कहा , न्यूजीलैंड में हमारी सीनियर टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है जिससे हमें प्रेरणा मिलेगी। उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन कर सकेंगे।

चीनी ताइपै एशियाई कप के लिए पहुंचने वाली पहली टीम बनी

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय फुटबॉल टीम कोच्चि से निर्धारित उड़ान में विलंब होने के कारण एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के लिए गुरुवार को यहां अपने निर्धारित समय से विलंब से पहुंची। कोरोना महामारी की तीसरी लहर को लेकर आशंकाओं के बीच चीनी ताइपै की टीम एएफसी महिला एशियाई कप फुटबॉल के लिए यहां पहुंचने वाली पहली टीम बनी। भारतीय टीम ब्राजील दौरे के बाद से कोच्चि में अभ्यास शिविर में थी। उसकी उड़ान में विलंब होने से शाम का मीडिया सत्र स्थगित कर दिया गया है। टूर्नामेंट शुरू होने का इंतजार कर रहे भारत के मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी ने कहा, यह वह क्षण है जिसकी हम पिछले छह महीनों से तैयारी कर रहे हैं। हमने इसके लिए 200 से अधिक सत्र किए हैं, चार देशों में कड़े प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ कई मैच खेले हैं, और अब उन सभी चीजों को लागू करने का समय आ गया है जिन पर हम काम कर रहे हैं। भारत को ग्रुप ए में ईरान (20 जनवरी), चीनी ताइपै (23 जनवरी) और चीन (26 जनवरी) से खेलना है। पुणे में खेल रही सभी टीमें मुंबई पहुंचेंगी और फिर सड़क मार्ग से पुणे आएंगी।

मुक्केबाजी

भारतीय पुरुष टीम के हाई परफार्मेंस निदेशक नीवा का करार एक साल और बढ़ेगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय पुरुष मुक्केबाजी टीम के हाई परफार्मेंस प्रदर्शन निदेशक के लिए राष्ट्रीय महासंघ के अंदर कई दौर के विचार-विमर्श के बाद सैंटियागो नीवा के करार को कम से कम एक और साल के लिए बरकरार रखने का फैसला किया गया। यह जानकारी महासंघ से जुड़े सूत्रों ने दी। भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) महिला मुक्केबाजों के लिए एक हाई परफार्मेंस निदेशक की खोज को पूरा करने के लिए विज्ञापनों के माध्यम से आवेदन आमंत्रित करेगा। तोक्यो ओलंपिक के बाद इटली के राफेल बर्गमास्को के अनुबंध का नवीनीकरण नहीं होने से यह पद खाली है। इस ओलंपिक में लवलीना बोरगोहेन पदक (कांस्य) जीतने वाली इकलौती भारतीय मुक्केबाज थी। नीवा अभी स्वीडन में है और ओलंपिक के बाद उनके करार को तीन महीने के लिए बढ़ाया गया था। बीएफआई ने पहले कहा था कि नीवा को एक और विस्तार दिया जाना तोक्यो में प्रदर्शन की समीक्षा पर निर्भर करेगा जहां कोई भी पुरुष मुक्केबाज प्रारंभिक दौर से आगे नहीं जा सका। महासंघ से जुड़े एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, सैंटियागो को बरकरार रखने का करार लगभग पूरा हो गया है। महिला टीम के लिए हाई परफार्मेंस प्रदर्शन निदेशक के लिए विज्ञापन जारी किया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने बीएफआई को जूनियर और युवा मुक्केबाजों के लिए भी हाई परफार्मेंस निदेशक रखने की अनुमति दी है, इसलिए हम इन पदों के लिए भी विज्ञापन देंगे। उन्होंने कहा, सैंटियागो एक और वर्ष के लिए रहेंगे। यह निर्णय लिया गया है कि मुक्केबाजों के सभी विदेशी कोचों से हाई परफार्मेंस निदेशकों के रूप में करार किया जाएगा। महासंघ हालांकि कुछ महीने पहले तक नीवा की आलोचना कर रहा था।

आईपीएल नीलामी में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं जो रूट

एजेंसी ■ होबार्ट

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने खुलासा किया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में चार साल पहले किसी टीम का साथ नहीं मिलने के बाद इस लुभावनी लीग की नीलामी में एक बार फिर शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। मौजूदा दौर में खेल के महान खिलाड़ियों में से एक माने जाने वाले रूट के लिए 2018 में आईपीएल की नीलामी में किसी भी टीम ने बोली नहीं लगाई थी। वह इसके बाद चकाचौंध से भरी इस लीग का हिस्सा नहीं रहे है। इस 31 वर्षीय बल्लेबाज ने हालांकि कहा कि वह इस लीग में तभी खेलना चाहेंगे, जब इससे उनका टेस्ट करियर प्रभावित नहीं होगा। रूट ने ईएसपीएनक्रिकइंफो डॉट कॉम से कहा, समय कम है लेकिन मुझे कई चीजों के बारे में सोचना है। उन्होंने कहा, क्या इसका मेरे टेस्ट क्रिकेट खेलने पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा? अगर मैं ऐसा नहीं सोचता तो मैं खुद को नीलामी में रखूंगा। लेकिन मैं कभी ऐसा कुछ नहीं करूंगा जिससे इंग्लैंड के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने में दिक्कत हो। यह सुनिश्चित करना बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मेरी और अन्य खिलाड़ियों की प्राथमिकता है। आगामी सत्र से पहले आईपीएल की बड़ी नीलामी 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में होने वाली है। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने भी बुधवार को कहा था कि आगामी व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद वह आईपीएल में वापसी करने पर विचार कर रहे है।

टेनिस | वीजा अनिश्चितता बरकरार

ऑस्ट्रेलियन ओपन के ड्रॉ में जोकोविच को मिली जगह

एजेंसी ■ मेलबर्न

नोवाक जोकोविच को अब पता है कि अगर उन्हें खेलने की अनुमति मिलती है तो वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन खिताब का बचाव करने के लिए पहले दौर में हमवतन सर्बियाई खिलाड़ी मिओमिर केकमानोविच से भिड़ेंगे। जोकोविच की वीजा स्थिति साफ नहीं होने के कारण गुरुवार को ड्रा कार्यक्रम को 75 मिनट तक विलंब किया गया। इसके बाद हालांकि पुरुष और महिला एकल ड्रा निर्धारित किए गए। जोकोविच का मामला हालांकि अब भी अधर में है। ऑस्ट्रेलिया के आव्रजन मंत्री अभी विचार कर रहे हैं कि क्या नौ बार के ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन को निर्वासित किया जाए, जिन्होंने कोविड-19 के खिलाफ टीका नहीं लगवाया है। अगर उन्हें रहने दिया जाता है, तो पुरुषों के रिकॉर्ड 21 वें प्रमुख खिताब के लिए जोकोविच क्वार्टर फाइनल में सातवें नंबर के माटेओ बेरेटिनी का सामना कर सकते है जबकि सेमीफाइनल में उनका मुकाबला राफेल नडाल या तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से हो सकता है। अमेरिकी ओपन में जीत के साथ जोकोविच के कैलेंडर ग्रैंडस्लैम के सपने को पूरा करने से रोकने वाले दानिल मेदवेदेव को ऑस्ट्रेलिया में दूसरी वरीयता दी गई है। वह ड्रा के दूसरे ब्रैकेट में है। पिछले साल यहां फाइनल तक का सफर तय करने वाले मेदवेदेव एक बार फिर खिताब के दावेदार होंगे। वह दूसरे दौर में स्थानीय दावेदार निक किर्गियोस का सामना कर सकते है जबकि क्वार्टर फाइनल में उनके सामने रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज एंड्री रुबलेव, नंबर नौ फेलिक्स ऑगर-एलियासेम या जॉन इस्नर में से किसी की चुनौती हो सकती है। उन्हें सेमीफाइनल में चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी स्टेफानोस सितसिपास की चुनौती मिल सकती है। महिलाओं की ओर से, शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी और गत चैंपियन नाओमी ओसाका ड्रा के एक ही ब्रैकेट में है। जिसका अर्थ है कि टूर्नामेंट के दो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चौथे दौर के मैच में एक दूसरे का सामना कर सकते हैं। क्वार्टर फाइनल में इन खिलाड़ियों का सामना रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज मारिया सकारी या नौवें नंबर की खिलाड़ी ओन्स जबूर से हो सकता है। फ्रेंच ओपन चैंपियन बारबोरा क्रेजसिकोवा और रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज पाउला बडोसा ड्रा के एक ही ब्रैकेट में हैं।